04 - राज्यपाल बनाम जनादेश- संघीय संतुलन की पुकार

05 - राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम

06 - मंडी में बढ़ी गेहूं की आवक, समर्थन मूल्य में अब तक 9938...

07 - मध्यप्रदेश अजब और गजब है, विरासत के संरक्षण के साथ...

A Daily News Magazine

भोपाल

शनिवार, 12 अप्रैल, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 212, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

वक्फ बोर्ड : दूसरे मुस्लिम देशों में क्या होता है?

इमरान कुरैशी

वक़्फ़ बोर्डों के प्रबंधन के लिए लाए गए विधेयक पर पिछले सप्ताह जैसी जोरदार बहस हुई वैसी अब तक बहुत ही कम दिखी है। इस बहस का असर इतना ज़्यादा था कि राजनीति में दिलचस्पी में न रखने वाले लोगों का भी ध्यान आकर्षित हुआ। केंद्र सरकार की इस पहल का विरोध करने वालों ने जहां ये दलील दी कि ये मुसलमानों की संपत्ति पर सरकार का ग़ैर ज़रूरी दख़ल है तो कुछ लोगों ने इसकी तारीफ़ करते हुए कहा कि अगर उसने ऐसा नहीं किया होता तो हम अपनी सारी ज़मीन वक़्फ़ बोर्डों के हाथों गंवा चुके होते।

ऊपर के उद्धरण में जो भावना दिखती है वो लोकसभा और राज्यसभा में इस बिल को लाने से पहले चलाए गए गहन अभियान से पैदा 'नैरेटिव' का नतीजा है। इस नैरेटिव के समर्थन में आए भाजपा के लोकसभा सदस्य संबित पात्रा के बयान ने आम तौर पर प्रतिक्रिया न देने वाले क़ानूनी और इस्लामी इतिहास के विशेषज्ञों सहित कई लोगों को हैरान कर दिया। वक़्फ़ की अवधारणा कैसे अस्तित्व में आई? इसकी राजनीतिक धारणा क्या है और भारत में यह इतनी प्रभावशाली कैसे हो गई? संबित पात्रा ने संसद में कहा, 'मैं छाती ठोक कर कहना चाहता हूं कि पूरी दुनिया में अगर मुसलमान कहीं सुरक्षित और संरक्षित है तो वह देश भारत है। मैं उन इस्लामिक देशों के नाम पढ़ूंगा जहां वक़्फ़ के नाम का वजूद नहीं है। तुर्किए में नहीं है, लीबिया में नहीं है, मिस्र में नहीं है, सूडान में नहीं है, लेबनान में नहीं है, सीरिया में नहीं है, जॉर्डन में नहीं है, ट्यूनीशिया में नहीं है, इराक़ में नहीं है। भारत में वक़्फ़ बोर्ड है। वक़्फ़ संपत्ति को क़ानूनी सुरक्षा दी गई है।'

पात्रा का यह बयान प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) से बहुत अलग नहीं था, जो केंद्र सरकार की ओर से सूचना प्रसारित करता है।

दुनिया के हर इस्लामी देश में एक वक़्फ़ होता है। इसे औक़ाफ़, फ़ाउंडेशन, एंडोवमेंट सहित कई अन्य नामों से भी जाना जाता है। तुर्की में फ़ाउंडेशन का एक महानिदेशालय है। यह 1924 से इस्लामी क़ानून के अनुसार वक़्फ़ का प्रबंधन और ऑडिट करता है। मिस्र में औक़ाफ़ मंत्रालय है। इसमें ट्रस्टी मस्जिद होती है। यह ज़मीन, बाज़ार और अस्पताल सहित अन्य संपत्तियों का प्रबंधन करती है। इसी तरह से सूडान, सीरिया, जॉर्डन, ट्यूनीशिया और इराक़ जैसे देशों में वक़्फ़ विभाग धार्मिक मामलों के मंत्रालय के तहत काम करते हैं। इराक़ में सुन्नी बंदोबस्ती कार्यालय, शिया बंदोबस्ती कार्यालय और गैर-मुस्लिम समुदायों का बंदोबस्ती कार्यालय है। वहीं सऊदी अरब, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, मलेशिया, इंडोनेशिया जैसे कई अन्य इस्लामी देशों में धार्मिक मामलों के मंत्रालय के तहत बंदोबस्ती विभाग (जैसे इस्लामी धार्मिक बंदोबस्ती, यरुशलम) या वक़्फ़ हैं।

केरल विवि में इस्लामिक इतिहास के प्रोफ़ेसर असरफ़ कडक्कल ने बताया, अधिकांश इस्लामी देशों में एक औक़ाफ़ मंत्रालय होता है, जो वक़्फ़ को देखता है। उनके विभागों में उलेमा जैसे न्यायविद या धार्मिक विद्वान होते हैं। यह सभी इस्लामी न्यायशास्त्र का पालन करते हैं। हमारे देश में यह व्यवस्था अलग है, क्योंकि यह मुस्लिम देश नहीं है। जामिया मिल्लिया में इस्लामिक स्टडीज के एमेरिटस प्रोफ़ेसर अख्तरुल वासे ने कहा, इस्लामी देशों में वक़्फ़ हमारे वक़्फ़ या बंदोबस्ती विभागों की तरह ही होते हैं। वक़्फ़ की शुरुआत बहर-ए-मुल्ला में हुई थी। जिसे पैग़म्बर मोहम्मद के चचेरे भाई और साथी उस्मान इब्न अफ़्फ़ान ने बनाया था। वक़्फ़ की अवधारणा तब सामने आई, जब ख़लीफ़ा उस्मान को एहसास हुआ कि रेगिस्तानी क्षेत्र में पानी की कमी के कारण मदीना के पास एक व्यक्ति पानी बेच रहा था। उन्होंने अल्लाह के नाम पर पानी की सुविधा ख़रीदी ताकि ऊंटों के लिए पानी मुफ़्त में उपलब्ध हो सके। 1400 साल बाद भी यह वक़्फ़ मौजूद है।

पटना में चाणक्य विधि विवि के कुलपति और क़ानूनी मामलों के विशेषज्ञ फ़ैज़ान मुस्तफ़ा और सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता शाहरुख़ आलम जैसे क़ानूनी विशेषज्ञों ने भारतीय वक़्फ़ की तुलना इस्लामी देशों से करने पर बुनियादी तौर पर आपत्ति जताई है।

मुस्तफ़ा ने कहा, हमें अपनी तुलना इस्लामी देशों से बिल्कुल नहीं करनी चाहिए, क्योंकि हम कोई धर्म तंत्र नहीं हैं। इस्लाम उनका राजकीय धर्म है। इस्लामी राष्ट्र में धार्मिक मामलों के लिए मंत्रालय होता है। हमारे पास अल्पसंख्यक मामलों के लिए मंत्रालय है और हम अपने संविधान से संचालित होते हैं।

शाहरुख़ आलम के अनुसार उनकी क़ानूनी प्रणाली की हमारी प्रणाली से कैसे तुलना की जा सकती है? सांसद और डीएमके के उप महासचिव ए. राजा ने फैलाई जा रही ग़लत धारणा का लोकसभा में उल्लेख करते हुए कहा कि संसद में नए क़ानून के मसौदे को पेश किए जाने से पहले संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने एक जांच की थी। लोकसभा में अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने जब वक़्फ़ विधेयक पेश किया था, तो कहा था कि तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली ज़िले के एक पूरे गांव की हज़ारों एकड़ ज़मीन वक़्फ़ की संपत्ति घोषित कर दी गई है। जब जांच की गई तो पाया गया कि ऐसा कुछ नहीं है। मुस्तफ़ा और आलम दोनों ने इस बात का खंडन किया कि वक़्फ़ बोर्ड अपनी इच्छानुसार कोई भी ज़मीन ले सकता है। बोर्ड मुस्लिमों का निजी निकाय नहीं है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 में वक़्फ़ को केंद्र और राज्य सरकारों, संसद और राज्य विधानसभाओं के साथ-साथ वैधानिक निकायों के रूप में परिभाषित किया गया है। वक़्फ़ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है। इसके लिए सरकार एक सीईओ नियुक्त करती है। यह एक सरकारी अधिकारी होता है। नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) वक़्फ़ बोर्डों का ऑडिट करता है।

आलम ने बताया कि कई मौकों पर उच्चतम न्यायालय ने इस तर्क को सही ठहराया है, वक़्फ़ बोर्ड अनुच्छेद 12 के तहत आता है और यह मनमानी नहीं कर सकता। किसी भी भूमि को वक़्फ़ संपत्ति घोषित करने की एक लंबी प्रक्रिया है। तो क्या भारत में राजनीति से प्रेरित अफ़वाहें फैलाने का काम इतना ज़्यादा हो गया है?

ब्रांड गुरु हरीश बिजूर कहते हैं, वक़्फ़ एक ब्रांड विचार के साथ एक धारणा भी है। इस विचार को पुष्ट करने में मीडिया की भी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। यह विचार वास्तविकता से बहुत दूर हो सकता है, वास्तविक हो सकता है। कभी-कभी इसके वास्तविक होने की आवश्यकता भी नहीं होती है। धारणाएं, विशेष रूप से उपभोक्ता धारणाएं बहुत जल्दी बन जाती हैं और यह धारणा बनाने के लिए हम मास मीडिया पर निर्भर रहते हैं। उपभोक्ता आमतौर पर इसमें शामिल नहीं होते हैं लेकिन वह हर चीज़ पर एक अपना दृष्टिकोण रखना चाहते हैं।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

निष्काम सेवा ही दुनिया की सबसे बड़ी सेवा है, आनंदपुर धाम इसे निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहा : मोदी

गरीबों की सेवा ही परमार्थ है, यही सच्ची मानव सेवा है : मुख्यमंत्री

भोपाल /आनंदपुर(नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सेवा ऐसी गंगा है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति डुबकी लगाए तो उसका जीवन सार्थक हो सकता है। आज आनंदपुर धाम आकर मन अभिभूत है, जिस भूमि का कण-कण संतों की तपस्या से सींचा गया है, जहां सेवा के संकल्प मानवता का पथ प्रशस्त करते हों, वो धरती साधारण नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां मंदिर में दर्शन किए और सेवा कार्यों की जानकारी ली तो हृदय आनंदित हो गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यावरण संरक्षण क्षेत्र में श्री आनंदपुर ट्रस्ट के प्रयास सराहनीय और अनुकरणीय है।

केन्द्र सरकार भी सेवा की भावना को केन्द्र में रखकर निर्धन वर्ग के लिए निःशुल्क अनाज, पेयजल, आवास और स्वास्थ्य से जुड़ी जनकल्याण की योजनाओं का संचालन कर रही है। देश में नए-नए एम्स, आईआईटी, आईआईएम संस्थान प्रारंभ किए जा रहे हैं। हमारा पर्यावरण संरक्षित हो, इसके लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान जारी है। गरीब और वंचित व्यक्तियों के उत्थान के लिए सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास का मंत्र सरकार की नीति और निष्ठा है। सेवा की भावना हमारे व्यक्तित्व को निखारती है और व्यक्ति को बड़े उद्देश्यों से जोड़ती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी शुक्रवार को अशोकनगर के आनंदपुर धाम में वार्षिक वैशाखी मेले और संस्था के गुरू महाराज के अवतरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, वरिष्ठ सांसद श्री वी.डी. शर्मा, सांसद श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल सहित बड़ी संख्या में आनंदपुर धाम के अनुयायी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आश्रम के गुरू महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आनंदपुर धाम मंदिर परिसर का भ्रमण किया और गुरुजी महाराज मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आनंद सरोवर की आरती उतारी और पुष्प अर्पित किए। आनंदपुर में हर वर्ष तीन दिवसीय वैशाखी मेला लगता है। इस वर्ष भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 20 हजार लोग आनंदपुर पहुंचे हैं।

आनंदपुर क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि अशोकनगर के आनंदपुर क्षेत्र का विकास हमारा दायित्व है। इस क्षेत्र में कला, संस्कृति अर्थात् विरासत से विकास की अपार संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र में चंदेरी साड़ी को जीआई टैग प्राप्त हुआ है। प्राणपुर में हैंण्डलूम विलेज प्रारंभ किया गया है। मध्यप्रदेश में विरासत के संरक्षण के साथ विकास के प्रयास हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिंहस्थ : 2028 की तैयारियां भी प्रारंभ करवा चुके हैं। प्रदेश की सरकार और नागरिक विकास में जुट गए हैं।

आनंदपुर की धरती पर शोक भी आने से डरता है

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इस धरती पर परमार्थ और सेवा के संकल्प जारी हैं, ये धरती सामान्य नहीं है। अशोकनगर की धरती पर शोक भी आने से डरता है। गुरु महाराज जी के अवतरण दिवस पर यहां आने का सुअवसर मिला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वामी अद्वैत जी महाराज एवं संस्थान की सभी पादशाही महाराज को प्रणाम करते हुए द्वितीय और तृतीय पादशाही के समाधि दिवस पर उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मां विजयासन और अशोकनगर जिले के श्रद्धा स्थल करीला धाम की मां जानकी देवी को भी प्रणाम किया। **(शेष पेज-7 पर)**

केन्द्रीय मंत्री शाह के मुख्य आतिथ्य में होगा राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और सांसद भाजपा अध्यक्ष वी.डी. शर्मा होंगे शामिल

भोपाल। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रविवार 13 अप्रैल को रवीन्द्र भवन सभागार में दोपहर 12 बजे से अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत होने वाले राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन होगा। सम्मेलन में सांसद श्री वी.डी. शर्मा विशेष अतिथि होंगे।

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को मंत्रालय में सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में पशुपालन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव, सहकारिता, पशुपालन, नगर निगम, पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिये कि कार्यक्रम सुव्यवस्थित हो, इसके लिये अलग-अलग काम के लिये अलग-अलग अधिकारी की ड्यूटी निर्धारित की जाये। साथ ही एक कंट्रोल-रूम स्थापित किया जाये, जिसके लिये एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। उन्होंने बैठक व्यवस्था, पास, निमंत्रण-पत्र, वाहन पार्किंग के लिये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

मंत्री श्री सारंग ने गर्मी की तीव्रता को देखते हुए पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने अधिकारियों को दी गयी जिम्मेदारियों की लिस्टिंग करने को भी कहा। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर मेडिकल टीम और पॉवर बैक-अप रखने के लिये निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि सम्मेलन में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड अध्यक्ष श्री मीनेश शाह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, केन्द्रीय सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी भी शामिल होंगे।

सुप्रभात

मनोजवं मारुततुल्यवेगं, जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्। वातात्मजं वानरयूथमुख्यं, श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये॥
अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं, दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम्।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं, रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि॥
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं, रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि
मनोजवम् मारुततुल्यवेगम् जितेन्द्रियम् बुद्धिमताम् वरिष्ठम्। वातात्मजम्
वानरयूथमुख्यम् श्रीरामदूतम् शरणम् प्रपद्ये॥

-मारूति वंदन

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के मंचन से शुरू हुई डॉ. यादव की शीर्ष तक की यात्रा

भोपाल। उज्जैन की पवित्र धरती पर 2000 के दशक की शुरुआत की एक अनोखी सांस्कृतिक पहल की शुरूआत 'सम्राट विक्रमादित्य महामंचन' के रूप में हुई। यह महानाट्य मंचन केवल एक ऐतिहासिक पात्र का स्मरण नहीं था, बल्कि एक ऐसे युग की पुनर्प्रतिष्ठा थी जिसे भारतीय संस्कृति, न्याय, और नीति का प्रतीक माना जाता है। इस मंचन की सबसे रोचक बात यह रही कि इसमें स्वयं डॉ. मोहन यादव ने सम्राट महेन्द्रादित्य (विक्रमादित्य के पिता) के जीवंत किया था।

महानाट्य के मंचन के समय किसी ने सोचा भी नहीं था कि रंगमंच पर उतरने वाला यह युवक भविष्य में वास्तविक रूप में मध्यप्रदेश के विक्रमादित्य की तरह एक नेतृत्वकर्ता, एक सांस्कृतिक अभिभावक और जनमानस का प्रतिनिधि के रूप में प्रतिष्ठित होगा। डॉ. यादव का यह सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रेम ही उन्हें सत्ता के शीर्ष तक ले आया। सत्ता में आने के बाद भी उनका यह रुझान केवल मंचन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने महानाट्य के मंचन को सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का माध्यम बनाया।

प्राधिकरण से प्रारंभ हुई विक्रमदर्शिता-मुख्यमंत्री डॉ. यादव जब उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष बने, उन्होंने विकास को केवल अधोसंरचनात्मक निर्माण तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने सम्राट विक्रमादित्य की दृष्टि से उज्जैन शहर को एक ऐसे नगर के रूप में देखा जो इतिहास, आस्था और आधुनिकता का संगम बने। उनकी पहल पर शहर में चार दिशाओं में भव्य प्रवेश द्वार निर्मित किए गए, जो चार युगों के प्रतीक हैं। यह कार्य न केवल स्थापत्य की दृष्टि से अभिनव था, बल्कि सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने वाला भी था। उज्जैन को देश का पहला ऐसा शहर बनने का गौरव प्राप्त हुआ, जिसमें दिशा-प्रेरित प्रवेश द्वारों से संस्कृति का स्वागत हुआ।

विक्रम विश्वविद्यालय को नई पहचान-मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अगला महत्वपूर्ण कार्य सम्राट विक्रमादित्य के नाम से स्थापित विक्रम विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना रहा। उन्होंने विश्वविद्यालय में न केवल शोध और शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई, बल्कि सम्राट विक्रमादित्य के साहित्य, न्याय दर्शन, और सांस्कृतिक मूल्यों को नयी पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में भी विशेष प्रयास प्रारंभ किए गए।

बिहार और बंगाल चुनाव से भी आगे है पार्टी की नजर

'वक्फ' का राजनीतिक फायदा उठाने में जुटी बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक के कानून बनने के बाद से विपक्ष ने बीजेपी और मोदी सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। सारी तैयारी इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव और अगले साल के पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों में चुनाव को लेकर है। जहां कांग्रेस और विपक्ष में उसके अन्य साथियों को लग रहा है कि यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर न सिर्फ मुस्लिम वोट गोलबंद होगा, बल्कि ईसाई जैसे अन्य अल्पसंख्यक समुदाय पर भी डोरे डाले जा सकते हैं। लेकिन, भाजपा ने इस चुनौती को भी अवसर में बदलने की तैयारी शुरू कर दी है। बीजेपी 20 अप्रैल से 15 दिनों के लिए 'वक्फ सुधार जनजागरण अभियान' शुरू करने जा रही है। नाम से तो लग रहा है कि पार्टी इसके माध्यम से नए

वक्फ कानून से जुड़ी गलतफहमियां दूर करने वाली है, लेकिन इसके माध्यम से वह विपक्ष की ओर से इस मुद्दे पर चलाए जा रहे नैरेटिव को न सिर्फ काटने की तैयारी में है, बल्कि इसके माध्यम से अपना चुनावी समीकरण भी मजबूत करना चाहती है।

एनडीए दलों की चिंता दूर करने की भी कोशिश!

हो सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 अप्रैल को हरियाणा में होने वाले एक कार्यक्रम में नए वक्फ कानून पर अपना नजरिया जाहिर कर सकते हैं। इसी दिन करने वाला है। बता दें कि जब संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस हो रही थी तो विदेश दौरे पर होने की वजह से वह उसमें शामिल नहीं हो पाए थे। क्योंकि, विपक्ष इस कानून को बीजेपी के खिलाफ बहुत बड़ा हथियार समझ बैठा है, इसलिए हो सकता है कि अपने अंदाज में पीएम मोदी इससे होने वाले सियासी फायदे के लिए बिसात बिछानी शुरू कर दें। इसकी संभावना इस वजह से भी बढ़ गई है, क्योंकि बिहार में नीतिश कुमार के जेडीयू और चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास) और जीतन राम मांझी के हिंदुस्तान आवाम मोर्चा को नए कानून की वजह से चुनावों में असहजता का सामना करना पड़ सकता है।

पसमांदा और मुस्लिम महिला ईसाई समुदाय पर फोकस

वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की औपचारिक शुरुआत से पहले पार्टी इसी तरह के वर्कशॉप जिला और प्रदेश स्तर पर भी आयोजित करने जा रही है। दरअसल, इसके माध्यम से बीजेपी न सिर्फ मुस्लिम महिलाओं तक नए वक्फ कानून की हकीकत पहुंचाना चाहती है, बल्कि पसमांदा मुसलमानों से लेकर ईसाई समुदाय तक इससे जुड़ी सही जानकारियां ले जाना चाहती है। दरअसल, वक्फ कानून के खिलाफ देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन हो रहे हैं और कहीं न कहीं विपक्ष भी इस मुद्दे को जिंदा रखना चाहता है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तो यहां तक आरोप लगा चुके हैं कि बीजेपी यहीं तक नहीं रुकने वाली, वह ईसाइयों से जुड़े स्थानों को भी टारगेट करना चाहती है। यह सब कुछ बिहार, पश्चिम बंगाल और केरल विधानसभा चुनावों के मद्देनजर हो रहा है। इन सभी राज्यों में मुस्लिम मतदाताओं की जनसंख्या बहुत ज्यादा मायने रखते है। वहीं केरल और नॉर्थ ईस्ट में ईसाई वोटरों की भी खास अहमियत है। यही वजह है कि बीजेपी अपने अल्पसंख्यक मोर्चे के माध्यम से न सिर्फ पिछड़े मुसलमानों तक नए कानून से संबंधित जानकारी पहुंचाना चाहती है, बल्कि ईसाई वोटरों तक भी पुराने वक्फ कानून की जानकारी देना चाहती है कि इसमें बदलाव करना क्यों जरूरी हो गया था।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c

न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 12 अप्रैल 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

आगरा की मस्जिद में नजरुद्दीन ने रखा था जानवर का मांस

- जुमे की नमाज के बाद हंगामा-लाठीचार्ज, भाजपा बोली-दंगे की साजिश थी

आगरा (एजेंसी)। आगरा की शाही जामा मस्जिद के अंदर जानवर का सिर मिलने पर मुस्लिम समुदाय के लोग सड़क पर उतर आए। जुमे की नमाज के बाद सैकड़ों की संख्या में लोग नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने समझाने का प्रयास किया। मगर वह नहीं माने। हंगामा बढ़ता देख पुलिस ने लाठी पटककर सभी को खदेड़ा।

पुलिस कमिश्नर भी मौके पर पहुंच गए। भारी संख्या में मस्जिद के आसपास फोर्स तैनात की गई है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे देखे। सीसीटीवी में एक युवक मस्जिद में बैग रखते हुए दिखा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को 4 घंटे में अरेस्ट कर लिया। उसकी पहचान नजरुद्दीन के रूप में हुई है। दोपहर करीब डेढ़ बजे नमाज के बाद लोग सड़क पर जुट गए। कुछ लोग मस्जिद की छतों पर चढ़ गए। लोगों ने हंगामा करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी।

शिक्षक भर्ती घोटाला, बर्खास्त शिक्षकों का पैदल मार्च अभियान

- एग्जाम की ओएमआर शीट सार्वजनिक करने की मांग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ शुक्रवार को सड़कों पर उतर आए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जिन 25,753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति को अवैध बताया गया, उनमें से कई ने कोलकाता के साल्ट लेक इलाके से स्कूल सर्विस कमीशन तक मार्च किया। प्रदर्शनकारियों ने एसएससी परीक्षा की ओएमआर शीट को सार्वजनिक करने की मांग

की है, ताकि योग्य उम्मीदवारों की पहचान हो सके। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाए और बहाली की मांग की। कई सामाजिक संगठनों ने भी इस आंदोलन में कर्मचारियों का साथ दिया। 10 अप्रैल को बर्खास्त कर्मचारियों ने पुलिस कार्रवाई के विरोध में भूख हड़ताल करने का ऐलान किया था। टीचर्स 9 अप्रैल की रात से ही पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन (पीबीएसएससी) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। इससे पहले टीचर्स ने डिस्ट्रिक्ट इंस्पेक्टर ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया था।

टोल बंद होने से 1639 करोड़ रू. का हुआ नुकसान

- पंजाब सरकार से भरपाई की तैयारी, चीमा बोले-केंद्र से थी किसानों की मांगे

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में बार-बार टोल प्लाजा को जबरन बंद किए जाने को लेकर केंद्र सरकार ने गहरी नाराजगी जताई है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस मुद्दे पर पंजाब के मुख्य सचिव के एपी सिन्हा को पत्र लिखकर बताया कि अक्टूबर 2020 से नवंबर 2024 के बीच इस तरह की घटनाओं के कारण केंद्र सरकार को 1 हजार 638.85 करोड़ रुपए का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। 4 अप्रैल को लिखे गए इस पत्र में मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर ने कहा कि टोल

वसूली में बार-बार आने वाले रुकावटों के कारण नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एनएचएआई की परियोजनाओं के निर्माण और रखरखाव पर बुरा असर पड़ा है। इसके साथ ही केंद्र इस घाटे की भरपाई राज्य सरकार से करने पर भी विचार कर रहा है। वहीं, इस मामले को लेकर अब वित्त मंत्री हरपाल चीमा का भी बयान आया है। हरपाल चीमा ने कहा है कि टोल प्लाजा की बंदी किसानों की मांगों के चलते हुई है, और ये मांगें केंद्र सरकार से संबंधित हैं। ऐसे में नुकसान की भरपाई भी केंद्र सरकार को ही करनी चाहिए।

गुजरात को लेकर नए प्लान पर कांग्रेस में टेंशन

जाति आधारित राजनीति के खिलाफ उठी आवाज

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी पार्टी में नई जान फूंक देना चाहते हैं। वह बीजेपी को 2017 की तरह गुजरात में चुनौती देने की योजना बना रहे हैं। हालांकि उनके प्लान को लेकर गुजरात कांग्रेस में सभी खुश नहीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान कई नेता हॉल छोड़कर बाहर निकल गए। उनका कहना था कि इसे अब और बर्दाश्त करना मुश्किल है क्योंकि यह प्लान बहुत ही निराशाजनक है। गुजरात में कांग्रेस के नए प्रस्ताव को लेकर नेताओं में असंतोष देखा गया। इंडिया कन्वेंशन सेंटर में गुजरात को लेकर नया प्रस्ताव पास किया गया। इस प्रस्ताव में राज्य में जातिगत जनगणना, अनुसूचित जाति और जनजातियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों पर ज्यादा ध्यान देने की बात कही गई है। कांग्रेस गुजरात में सामाजिक न्याय को आगे करके चलना चाहती है। वहीं गुजरात कांग्रेस के कई नेता उसे गलती मान रहे हैं। उनका कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री माधव सिंह सोलंकी ने भी यही गलती थी। रिपोर्ट के मुताबिक एक नेता ने कहा, माधव सिंह सोलंकी के क्षत्रिय हरिजन आदिवासी मुस्लिम का फार्मूला अपनाने की वजह से पार्टी को 1985 में 149 सीटें मिली थीं। हालांकि इससे पाटीदार और सवर्ण अलग हो गए। 1990 में इसका परिणाम देखने को मिला और पार्टी को सिर्फ 32 सीटें मिलीं।

राहुल गांधी ने रणथंभौर में की टाइगर सफारी

एरोहेड और शावकों की अठखेलियां देखी, कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ फोटो खिंचवाई

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी निजी यात्रा पर रणथंभौर में हैं। राहुल गांधी ने गुरुवार सुबह-शाम और शुक्रवार को सुबह लगातार टाइगर सफारी का लुत्फ उठाया। इस दौरान उन्हें लगातार तीनों सफारी में बाघ-बाघिन के दीदार हुए। जोन नंबर 2 में फिमेल टाइगर को शिकार करते देखा। राहुल गांधी ने गुरुवार सुबह जोन नंबर 3 के गूलर वन क्षेत्र में बाघिन सिद्धि के दीदार हुए। यहां शावक को स्वछंद घूमते देखकर राहुल गांधी खासे उत्साहित दिखाई दिए। गुरुवार शाम की पारी में जोन नंबर 2 में फीमेल टाइगर के दीदार किए। इस दौरान उन्होंने बाघिन टी-

84 एरोहेड व उसके शावकों की अठखेलियां देखी। राहुल गांधी ने शिवराज एनीकट वन क्षेत्र में बाघिन और उसके शावकों को शिकार का लुत्फ उठाता देखा। जिसे उन्होंने अपने कैमरे में कैद किया। वहीं शुक्रवार सुबह की पारी में राहुल गांधी ने रणथंभौर के जोन नंबर 2 और 3 में सफारी की। जहां उन्होंने जोन नंबर 2 पर रिद्धि व उसके शावक और जोन नंबर 3 में ऐरोहेड व उसके शावकों के दीदार किए। आज सुबह की पारी में टाइगर सफारी करने पहुंचे राहुल गांधी ने लोगों के साथ फोटो पर खिंचवाई इस दौरान आज सुबह की पारी में जब राहुल गांधी ने टाइगर पार्क के मैन गेट पर कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष छुट्टन लाल मीणा से मुलाकात की। उन्होंने करीब 2 मिनट बात करके फोटो भी खिंचवाई। छुट्टन लाल मीणा सवाई माधोपुर गणेश धाम पर रणथंभौर के टी-शर्ट, टोपी और हैंडीक्राफ्ट सामान बेचते हैं। जानकारी के अनुसार कांग्रेस नेता राहुल गांधी अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन से बुधवार को सीधे अहमदाबाद से फ्लाइट से जयपुर पहुंचे।

तमिलनाडु में बीजेपी का एआईएडीएमके से गठबंधन का ऐलान

शाह बोले- 2026 का विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे, सीटों का बंटवारा बाद में होगा

चेन्नई (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चेन्नई में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन का ऐलान किया। उन्होंने कहा 2026 में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पादी पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। सीटों का बंटवारा बाद में चर्चा के बाद तय किया जाएगा। शाह ने कहा कि गठबंधन को लेकर एआईएडीएमके की कोई डिमांड या मांग नहीं है। पार्टी का एनडीए में शामिल होना दोनों के लिए ही बहुत उपयोगी है। अगला चुनाव डीएमके सरकार के भ्रष्टाचार, दलितों पर, महिलाओं पर अत्याचार के आधार लड़ा जाएगा। लोग डीएमके से

घोटालों पर जवाब मांग रहे हैं, चुनाव में इन मुद्दों पर वोट देंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल के जवाब में शाह ने कहा कि कुछ मुद्दों पर एआईएडीएमके के अलग-अलग रुख हैं। लेकिन इस पर हम बैठकर चर्चा करेंगे, जरूरत पड़ी तो सीएमपी (कॉमन मिनिमम प्रोग्राम) भी होगा। 2021 का विधानसभा चुनाव भी एआईएडीएमके और बीजेपी ने गठबंधन में लड़ा था। इसके बाद भाजपा और अन्नाद्रमुक ने 2024 का लोकसभा चुनाव अलग-अलग गठबंधन में लड़ा।

ऐसे नारे लगेंगे तो नहीं चाहिए राज्य का दर्जा

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामे से भड़की बीजेपी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में जमकर हुए हंगामे की वजह से राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी ने सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस पर सदन की कार्यवाही को बाधित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विधानसभा को चरमपंथी विचारधारा के मंच में बदलने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं किया जाएगा और अगर विधानसभा में ऐसे ही नारे लगाए जाने हैं तो अभी क्षेत्र के राज्य का दर्जा भी बहाल नहीं किया जाना चाहिए। भाजपा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के ऊपर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता पक्ष ने पिछले तीन दिनों से सदन की कार्यवाही को बाधित किया है। जम्मू-कश्मीर के लोगों इच्छाओं और अकांक्षाओं की परवाह किए बिना उन्होंने सदन में गतिरोध पैदा करने में इतिहास रच दिया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने सदन में लगे नारों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर क्षेत्र में कहीं अलगाववाद या आतंकवाद की कोई जड़ें बची हैं तो हम चाहते हैं कि उन्हें भी पूरी तरह से उखाड़ दिया जाए।

ममता के मंत्री ने दी कोलकाता शहर को ठप करने की धमकी

सिद्दीकुल्ला चौधरी ने वक्फ बिल के खिलाफ की बड़ी रैली

कोलकाता (एजेंसी)। संसद के दोनों सदनों में वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पास होने के बाद इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद केंद्र सरकार देश में लागू कर चुकी है लेकिन पश्चिम बंगाल में इस कानून के खिलाफ मचा सियासी घमासान खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार में मंत्री सिद्दीकुल्ला चौधरी अब अपने कोलकाता ठप करने के ऐलान को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। 10 अप्रैल को सिद्दीकुल्ला चौधरी ने कोलकाता के रामलीला मैदान में एक विशाल रैली को संबोधित किया। राज्य के लाइब्रेरी मंत्री हैं। इसमें उन्होंने वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक को वापस लेने की मांग उठाई। सिद्दीकुल्ला चौधरी ने कहा कि अगर कोलकाता में जाम लगाना है तो हम कोलकाता में 50 जगहों पर 2000 लोगों के समूह को इकट्ठा करके यातायात रोक सकते हैं। चौधरी ने आगे कहा, 'हमने अभी तक ऐसा नहीं किया है, लेकिन बाद में ऐसा होगा। जिलों के बाद हम कोलकाता पर अपनी पकड़ मजबूत करेंगे। कोलकाता में 50 जगहों पर 10,000 लोग होंगे।

ट्रंप के टैरिफ अटैक पर चीन की 125 फीसदी वाली स्ट्राइक

चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग बोले- हम दबाव के आगे नहीं झुकते हैं

पेइचिंग (एजेंसी)। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर चरम पर पहुंचता दिख रहा है। चीन ने अमेरिकी सामानों के आयात पर टैरिफ रेट को 84 फीसदी से बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया है, जो शनिवार से लागू होगा। इसके साथ ही चीन ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका अब और टैरिफ बढ़ाता है तो वह जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा क्योंकि ट्रंप प्रशासन की नीतियां अब मजाक बन चुकी हैं। चीन के वित्त मंत्रालय ने यह फैसला तब लिया है, जब वाइट हाउस ने साफ किया है कि उसने चीनी सामानों पर टैरिफ को बढ़ाकर 145 फीसदी कर दिया है। चीन ने कहा कि

इन परिस्थितियों में अमेरिका के साथ व्यापार करना अब व्यावहारिक नहीं रह गया है। इससे पहले बुधवार को चीन ने अमेरिका के सामान पर 84 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था।

अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर इस महीने के शुरू से ही जारी है। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी सामानों पर 34 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जो 9 अप्रैल से लागू होने वाला था। इसके लागू होने से कुछ घंटे पहले ही ट्रंप ने अचानक इसमें और बढ़ोतरी की घोषणा कर दी। इसका जवाब चीन ने तुरंत दिया। बुधवार को बीजिंग ने अमेरिकी सामानों पर टैरिफ को 50 फीसदी तक बढ़ाकर 84 फीसदी कर दिया।

दोनों देशों में 700 अरब डॉलर का व्यापार

2025 से पहले, दोनों देशों द्वारा एक-दूसरे पर लगाए गए आयात टैरिफ औसतन 20 फीसदी से कम थे, लेकिन अब हालात काफी बदल चुके हैं। हर साल अमेरिका और चीन के बीच करीब 700 अरब डॉलर का व्यापार होता है। अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकला, तो बढ़े हुए टैरिफ का असर दोनों देशों के उपभोक्ताओं और कंपनियों पर सीधे तौर पर पड़ेगा। उन्हें अपनी सप्लाई चेन में बदलाव करना पड़ेगा ताकि टैरिफ से बचा जा सके। पिछले साल चीन से अमेरिका के तीन सबसे बड़े आयात स्मार्टफोन, लैपटॉप और लिथियम-आयन बैटरियां थीं। वहीं, अमेरिका से चीन को सबसे मूल्यवान निर्यात लिक्विड पेट्रोलियम गैस, कच्चा तेल, सोयाबीन, गैस टर्बाइन और सेमीकंडक्टर बनाने की मशीनें थीं।

पीएम मोदी की हिसार रैली में खाना बांटेंगे मास्टर

एक टीचर को 5 से 10 हजार लोगों का मिला जिम्मा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को हिसार में एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। वह यहां से अयोध्या जाने वाले प्लेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद एयरपोर्ट ग्राउंड पर रैली को संबोधित करेंगे। पीएम के कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए हरियाणा सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही। इस

- तीन दिन बाद एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

रैली में भीड़ जुटाने के लिए 1800 रोडवेज व प्राइवेट बसें लगाई गई हैं, जो गांव-गांव जाकर लोगों को लाएंगी। इन बसों में खाना बंटवाने की जिम्मेदारी सरकारी टीचरों को दी है। खाने के 30 हजार पैकेट बांटने के लिए हिसार के जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखा गया है। जिसमें टीचरों की खाना वितरण में ड्यूटी लगाने को कहा गया है। इसमें एक टीचर को 5 से 10 हजार पैकेट बांटने की जिम्मेदारी दी है। इसको लेकर विरोध भी शुरू हो गया है। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने इसको लेकर 16 अप्रैल को हिसार मुख्यालय पर प्रदर्शन की चेतावनी दी है। प्रधानमंत्री की एयरपोर्ट ग्राउंड पर होने वाली रैली के लिए करीब 1 सप्ताह से लगातार कार्य चल रहा है।

फरीदाबाद के सूरजकुंड मेले की ईवेंट कंपनी को ही हिसार में व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। रैली के लिए साढ़े 3 लाख स्क्वायर फीट में पंडाल लगाया जा रहा है। रैली में एंट्री के लिए 15 अलग-अलग सेक्टर बनाए गए हैं। हर सेक्टर में 4 एंट्री गेट हैं।

11 जिलों से भाजपा कार्यकर्ता पहुंचेंगे

500 कर्मचारी दिन रात रैली की तैयारी में लगे हुए हैं। इस रैली में 11 जिलों से भाजपा कार्यकर्ता पहुंचेंगे। इसके अलावा 15 हजार से ज्यादा कुर्सियां पंडाल में लगाई गई हैं। वाटरप्रूफ जर्मन टेंट से रैली एरिया को पूरी तरह कवर किया जा रहा है। वहीं हिसार एयरपोर्ट के आसपास के 2 हजार मीटर के क्षेत्र को रेड जोन घोषित कर दिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने इस जोन में किसी प्रकार की कोई फ्लाइंग करने पर पाबंदी लगा दी है। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के प्रधान प्रभु सिंह का कहना है कि यह सरकार का तुगलकी फरमान है कि शिक्षक सरकार की रैली में खाने के पैकेट वितरित करेंगे। ऐसे तुगलकी फरमानों का सख्ती से विरोध किया जाना चाहिए। अगर अब भी नहीं जागे तो पूरा शिक्षक वर्ग दोबारा सत्ता, अधिकारियों व विभाग में बेगार करेगा। संघ ऐसे फरमानों का कड़ा विरोध करता है और मांग करता है कि शिक्षक को केवल स्कूल में पढ़ाने दिया जाए। ऐसे तुगलकी फरमानों के विरोध में संघ 16 अप्रैल को शाम 3 से 5 बजे जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर सरकार को ज्ञापन देंगे।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में मारा गया एक आतंकी

- जंगली इलाके में सेना ने 2-3 आतंकियों को घेरा, एनकाउंटर जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में चल रहे एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को एक आतंकी मार गिराया है। 2-3 आतंकियों को अभी सुरक्षाबलों ने घेर रखा है। एनकाउंटर जारी है। अभी तक किसी सुरक्षाकर्मी के घायल होने की

खबर नहीं है। सुरक्षा बलों ने 9 अप्रैल को चत्रू जंगल के इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी थी, जिसके बाद आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग शुरू हुई थी। यहां बड़ी तादाद में सुरक्षा बल तैनात हैं। आसपास के गांवों में भी अलर्ट है। स्थानीय लोगों से भी सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की अपील की गई है।

युवक ने खेत में पेड़ से लगाई फांसी

भाई का आरोप- महिला मित्र के लापता होने पर पुलिस की पूछताछ से डर गया था

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ईटखेड़ी इलाके में पेड़ से फंदा बनाकर युवक ने सुसाइड कर लिया। मृतक के भाई का आरोप है कि उसकी एक महिला मित्र लापता हो गई थी। इसके संबंध में पुलिस ने उससे कॉल पर पूछताछ की थी। पुलिस के डर के कारण युवक ने सुसाइड किया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।घटना गुरुवार की देर रात की है। शुक्रवार की दोपहर को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

सतीश दांगी (22) पुत्र राधेश्याम दांगी निवासी रायपुर गांव ईटखेड़ी का रहने वाला था। वह गांव में ही पिता के साथ खेती किसानी का काम करता था। उसके भाई सुरेंद्र सिंह दांगी ने बताया कि गुरुवार की दोपहर को गुनगा इलाके में रहने वाली भाई की महिला मित्र लापता हो गई। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने पूछताछ के लिए सतीष को कॉल किया। इससे वह घबरा गया, उसे लगा कि पुलिस उसकी गिरफ्तारी कर लेगी। इस बात का जिक्र उसने हमसे किया था। इसके बाद बिन बताए लापता हो गया। रात के समय उसकी तलाश की, तब शव को उसी के खेत में फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा। शव को फंदे से उतारने के बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेने के बाद बॉडी पीएम के लिए भेज दी गई।

जांच में भी प्रेम प्रसंग की बात सामने आई

मामले की जांच कर रहे प्रधान आरक्षक सिद्दीक अहमद ने बताया कि गुनगा इलाके में रहने वाली युवती से सतीष का प्रेम प्रसंग होने की बात सामने आई है। युवती गुनगा इलाके में रहती है, जो गुरुवार को लापता हो गई। पूछताछ के संबंध में पुलिस और लड़की के परिजनों ने उसे कॉल किया। इसके कुछ समय बाद युवक ने सुसाइड कर लिया। मामले की जांच की जा रही है।

कर्नाटक को दो किंग कोबरा के बदले में मप्र देगा दो टाइगर

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा तीन माह पहले आईएफएस सर्विस मीट के दौरान कागज के खिलौनों को सांप बताकर डराने का बयान देने और एमपी में किंग कोबरा की जरूरत बताने के बाद वन अफसरों ने एमपी में किंग कोबरा लाने का इंतजाम किया है। कर्नाटक के अफसरों से संवाद के बाद मेंगलोर से दो किंग कोबरा को पांच दिन पहले यानि सोमवार को भोपाल लाए गए हैं। जिन्हें क्वारैंटाइन किया गया है। एमपी का वन महकमा इसके बदले दो टाइगर कर्नाटक के वन महकमे को देगा जो गर्मी के बाद यहां से शिफ्ट किए जाएंगे।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव के द्वारा कर्नाटक के प्रधान मुख्य वन संरक्षक को वन्य जीव और मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक कर्नाटक से चर्चा की गई। साथ ही कुमार पुष्कर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव कर्नाटक के किंग कोबरा एमपी लाने को लेकर चर्चा की गई थी। इसके बाद डॉयरेक्टर पिलीकुला बायोलॉजिकल पार्क मेंगलौर कर्नाटक से दो किंग कोबरा सर्प को 2 रॉयल बंगाल टाइगर के बदले दिए जाने पर सहमति बनी। इसके बाद किंग कोबरा को लाने के लिए प्रक्रिया शुरू करने को लेकर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल को आदान प्रदान करने के संबंध में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण नई दिल्ली को प्रस्ताव भेजने के लिए निर्णय लिया गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव और मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्य प्रदेश शुभरंजन सेन ने इसको लेकर विभाग के अफसरों को लिखे पत्र में कहा किंग कोबरा को लाने के बाद उसके एमपी में बसाहट का इंतजाम अलग-अलग चरण में किया जाएगा। प्रथम चरण में एक्स सीटू संरक्षण और प्रजनन वन विहार भोपाल में कराया जाएगा। इसके बाद किंग कोबरा की पर्याप्त संख्या हो जाने और इस प्रजाति के लिए आवश्यक पारिस्थितिकीय अनुकूलता (इकोसिस्टम) की स्थिति बनने के बाद प्राकृतिक रहवास में उनके संरक्षण के संबंध में अलग से दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे।

आईएफएस मीट में सीएम ने कहा था, एमपी में किंग कोबरा होना चाहिए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीन माह पहले राजधानी के पंडित खुशीलाल आयुर्वेद महाविद्यालय में आयोजित आईएफएस सर्विस मीट का शुभारंभ करते हुए कहा कि रातापानी टाइगर रिजर्व घोषित करने में कई चुनौतियां आईं लेकिन इसमें सफलता मिली है।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने लोकमाता अहिल्यादेवी राष्ट्र पुनरुत्थान की संकल्पना पर आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन का शुभारंभ कर संबोधित किया।

सौरभ की मां, पत्नी, जीजा और साले को जमानत

10 लाख के बॉन्ड पर मिली राहत; सौरभ, शरद, चेतन की वीडियो कॉन्फ्रेंस से होगी पेशी

भोपाल (नप्र)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोर्ट से भोपाल के आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की मां उमा शर्मा, पत्नी दिव्या शर्मा, जीजा विनय आसवानी और जबलपुर निवासी साले रोहित तिवारी को जमानत मिल गई है। 18वें अपर सत्र एवं विशेष न्यायाधीश सचिन कुमार घोष की अदालत से 10 लाख रुपए के बॉन्ड पर जमानत मिली है। वहीं, सौरभ शर्मा, उसके सहयोगी शरद और चेतन की पेशी 5 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कराई जाएगी।

ईडी ने मंगलवार को पेश किया था चालान- प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने आरटीओ के करोड़पति पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा उसके सहयोगियों शरद जायसवाल, चेतन सिंह गौर के खिलाफ मंगलवार को कोर्ट में चालान पेश किया था। इसमें इनोवा कार में मिला 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए कैश सौरभ का ही बताया गया है।

ईडी ने चालान में 12 आरोपी तय किए हैं। जिसमें सौरभ शर्मा, उसकी मां, पत्नी दिव्या, शरद जायसवाल,

चेतन सिंह गौर के अलावा इनकी फर्में और डायरेक्टर भी शामिल हैं। अब तक इस मामले में ईडी ने कुल 100.36 करोड़ रुपए की कुर्की और जब्ती की है।

बता दें कि इन सौरभ, चेतन और शरद के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस 60 दिन में भी चालान पेश नहीं कर सकी। जिस वजह से लोकायुक्त पुलिस के केस में तीनों को जमानत मिल चुकी हैं। जमानत मिलने के मामले में लोकायुक्त की काफी किरकिरी भी हुई थी।

ईडी ने कहा- मनी लॉन्ड्रिंग से बनाई है सारी प्रॉपर्टी

अधिवक्ता रजनीश बरया के मुताबिक ईडी ने हजार पन्नों की चार्जशीट में कहा है कि सौरभ और उसके सहयोगियों द्वारा जो भी संपत्ति बनाई गई है, वह मनी लॉन्ड्रिंग के माध्यम से कमाई गई है। इसलिए इनके विरुद्ध मनी लॉन्ड्रिंग का केस बनता है। चार्जशीट में सौरभ शर्मा के जीजा रोहित तिवारी, विनय हसवानी, प्यारेलाल केवट के अलावा इनकी फर्मों में शामिल अन्य लोग शामिल हैं। इन फर्मों के जरिए खरीदी गई प्रापर्टी और रजिस्ट्री को राजसात करने की बात भी चार्जशीट में शामिल है। अकेले एक ही फर्म में 15 से अधिक रजिस्ट्री हैं।

बिना दावे वाली प्रॉपर्टी जब्त करने के आदेश

वकील हरीश मेहता के मुताबिक कि ईडी ने चालान में तीनों के यहां छापे के बाद पाई गई अनक्लेम्ड प्रॉपर्टी को राजसात करने के लिए कहा है। ईडी सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल से पूछताछ के बाद 100.36 करोड़ की संपत्ति कुर्क कर चुकी है। ईडी ने तीनों को केंद्रीय जेल से न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान गिरफ्तारी कर अदालत से सात दिन की रिमांड पर लिया था। इस दौरान उनसे लंबी पूछताछ चली थी।

रिश्तेदारों के नाम पर बनाई थी संपति

ईडी ने कहा कि पूर्व आरटीओ आरक्षक सौरभ शर्मा द्वारा अपने और रिश्तेदारों, सहयोगियों के नाम पर करोड़ों रुपए की संपत्ति जुटाई गई है। ईडी ने इन सबके स्वामित्व तथा उनके द्वारा कंट्रोल की जाने वाली फर्मों, कंपनियों, सोसाइटी के नाम पर अर्जित 92.07 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया था। इन संपत्तियों को उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत कुर्क किया था।

राशन हितग्राही 30 अप्रैल तक ई-केवायसी करा लें : खाद्य मंत्री राजपूत

खाद्य मंत्री ने अफसरों को दिये निर्देश, कैंप लगाकर हितग्राहियों की ई-केवायसी करवाएं

भोपाल(नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने राष्ट्रीय खाद्य, सुरक्षा अधिनियम के पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाकर करने के निर्देश दिये हैं। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत 543.31 लाख पात्र हितग्राहियों में से शेष 108.27 लाख हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 अप्रैल तक पूर्ण करने के निर्देश भारत सरकार द्वारा प्राप्त हुए हैं। समय-सीमा में समस्त पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी न होने पर हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। इसलिये समस्त पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि 9 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रदेश में ई-केवायसी कराने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विशेष अभियान में ई-केवायसी से शेष रह गये सभी पात्र हितग्राहियों की सूची पीओएस मशीन, स्थानीय निकाय, जेएसओ लॉगिन पर उपलब्ध कराई गयी है। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग के स्थानीय अमले का सहयोग लिया जा रहा है।

सभी संभागायुक्त एवं कलेक्टर्स को जारी हुये निर्देश

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत शामिल पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी 9 से 30 अप्रैल तक जिलावार पूर्ण कराने के लिये खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी ने समस्त संभागायुक्त एवं कलेक्टर्स को ई-केवायसी कार्य को गंभीरता से तिथिवार पूर्ण कराने के निर्देश जारी किये हैं। एसीएस श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने कहा है कि ई-केवायसी से शेष हितग्राहियों की संख्या के अनुसार जिलों हेतु निर्धारित दैनिक लक्ष्य के अनुसार निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी पूर्ण कराये जाये। उन्होंने अफसरों को ई-केवायसी कार्य के जागरूकता के लिये व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिये हैं।

कैंप लगाकर करायी जाएगी ई-केवायसी

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि अभियान में हितग्राहियों की ई-केवायसी ग्रामवार एवं मुहल्लेवार कैंप लगाकर की जाये। ई केवायसी करने गठित दलों को ग्राम अथवा मोहल्ले की सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी करने के बाद ही अन्य ग्राम या मोहल्ले में कैंप आयोजित किये जाये। ई-केवायसी के दौरान परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने, स्थायी रूप से प्रवास पर जाने एवं डुप्लीकेट होने पर एम राशन मित्र पोर्टल पर स्थानीय निकाय के लॉगिन से विलोपन हेतु प्रविष्टि की जाएगी।

मेडिकल-कॉलेजों में डीन पद पर सीधी भर्ती का नया विवाद

सरकार प्रमोशन में आरक्षण लागू करती है तो वरिष्ठता के आधार पर भरे जाएंगे डीन के पद

भोपाल (नप्र)। मप्र में 9 साल बाद पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। कैबिनेट के निर्णय के बाद अगर पदोन्नति किए जाने का रास्ता साफ किया जाता है तो मेडिकल कॉलेजों में डीन के पद पर नियुक्ति भी पदोन्नति से करनी होगी। वर्तमान में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने 18 मेडिकल कॉलेजों में सीधी भर्ती कर डीन बनाया है।

जबकि पूर्व में शासकीय मेडिकल कॉलेजों में नियुक्ति राजपत्रित सेवा भर्ती नियम, 1987 के अंतर्गत लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जाती थी। भर्ती नियम 1987 में भी डीन का पद 100त्न पदोन्नति के लिए निर्धारित था। फिर 1998 में राज्य सरकार द्वारा शासकीय मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था को समाप्त कर प्रदेश में स्वशासी मेडिकल कॉलेज की स्थापना का निर्णय लिया गया था। वर्तमान में 13 मेडिकल कॉलेज स्वशासी हैं। अब अगर राज्य सरकार द्वारा फिर से पदोन्नति किए जाने का निर्णय लिया जाता है तो मेडिकल कॉलेज में डीन के पद पर पदोन्नति की जाती हैं तो पहला अधिकार उपलब्ध वरिष्ठ प्राध्यापकों का होगा, जोकि 1987 के नियम के तहत नियुक्त होकर वर्तमान में प्रदेश में सबसे वरिष्ठ हैं।

2023 के नियम में डीन पद 100 प्रतिशत पदोन्नति का निर्धारित

2023 में राज्य सरकार द्वारा शासकीय मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था को पुनः शुरू कर पूर्व के 1987 के राजपत्रित सेवा भर्ती नियम को समाहित कर राजपत्रित सेवा भर्ती नियम, 2023 तैयार कर किए गए है। 2023 के नियम में भी डीन का पद 100 प्रतिशत पदोन्नति के लिए निर्धारित हैं । भर्ती नियम 2023 के अंतर्गत नियुक्त प्रोफेसर को ही डीन के पद पर पदोन्नति के लिए फीडिंग कैडर निर्धारित किया गया है। यह कि 2016 के पूर्व जब चिकित्सा शिक्षा विभाग में पदोन्नति की जाती थी तो पदोन्नति का पहला अवसर राजपत्रित भर्ती नियम, 1987 के तहत नियुक्त वरिष्ठ शासकीय चिकित्सा शिक्षकों को ही प्रदान किया जाता था ।

डॉ. पांडेय ने किया था हाईकोर्ट में दावा

राज्य सरकार द्वारा राजपत्रित सेवा भर्ती नियम, 2023 के नियम 6.2 को आधार बनाकर 2024 में मेडिकल कॉलेज के डीन के 18 पदों पर सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्ति की गई हैं जिसको हाई कोर्ट, इंदौर में प्रदेश के वरिष्ठतम प्राध्यापक डॉ. वी.पी. पाण्डेय द्वारा चुनौती दी गई है। डॉ. पाण्डेय द्वारा दावा किया गया है कि भर्ती नियम 2023 में पदोन्नति किये जाने का नियमों में प्रावधान उपलब्ध होने, वरिष्ठता सूची में 142 वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षकों के उपलब्ध होने और पदोन्नति के के लिए कोई भी वैधानिक बाधा नही होने के कारण सीधी भर्ती को नियमो के विपरीत बताकर डीन के पद पर पदोन्नति किए जाने की याचिका में अपील की गई है।

पदभार ग्रहण के बाद प्रतीक्षा सूची से नियुक्ति का अधिकार नहीं

हाईकोर्ट इंदौर ने डॉ. वी.पी. पांडेय की याचिका में 7 जनवरी 2025 को पारित आदेश के पैरा-9 में स्पष्ट किया है कि एक बार भर्ती से नियुक्ति हो जाने और नियुक्त व्यक्ति द्वारा पदभार ग्रहण कर लेने के बाद चयन प्रक्रिया समाप्त हो जाती है। इसके बाद प्रतीक्षा सूची में शामिल व्यक्ति रिक्त पद पर नियुक्ति का अधिकार नहीं मांग सकता। कोर्ट के निर्देश से मेडिकल कॉलेज श्योपुर और नीमच में वेटिंग लिस्ट से डीन की नियुक्ति खटाई में पड़ती दिख रही है। इस मामले में तमाम कवायद के बाद भी नीमच मेडिकल कॉलेज में डीन नहीं है, वहीं श्योपुर में प्रभारी डीन के भरोसे काम चल रहा है। मामले में सुनवाई अंतिम चरण में है। अगर कोर्ट डीन के पद पर सीधी भर्ती को खारिज करता है तो 18 पदों पर पदोन्नति का अवसर 2018 की वरिष्ठता सूची अनुसार वरिष्ठ प्राध्यापकों को मिल सकेगा।

वक्फ बिल के विरोध में प्रदर्शन की अनुमति निरस्त

भोपाल में मोती मस्जिद सड़क पर किया प्रोटेस्ट, भारी संख्या में फोर्स तैनात

भोपाल (नप्र)। भोपाल में शुक्रवार को मध्य प्रदेश मुस्लिम त्योहार कमेटी द्वारा वक्त बिल के विरोध में आयोजित विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली। इसके चलते प्रदर्शन मोती मस्जिद सड़क पर किया गया।

प्रदर्शन के मद्देनज़र पुलिस की भारी तैनाती देखी गई, साथ ही रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) भी मौके पर मौजूद रही। नमाज के बाद बड़ी संख्या में लोग इकबाल मैदान क्षेत्र में एकत्रित हुए, लेकिन जब उन्हें प्रदर्शन की अनुमति रद्द होने की जानकारी मिली तो वे लौट गए।

बाद में कमेटी के कुछ सदस्यों ने मोती मस्जिद के पास स्थित सड़क पर प्रदर्शन किया। जिसमें करीब 50 से 60 लोग ही शामिल हुए। कमेटी के प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रदर्शन की अनुमति उन्हें पहले दी गई थी, लेकिन अचानक रात में रद्द कर दी गई। वहीं, पुलिस का कहना है कि इकबाल मैदान में लंबे समय से किसी भी तरह के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान वक्फ बिल के विरोध में पोस्टर दिखाए और संविधान की प्रति लेकर प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश मुस्लिम त्योहार कमेटी ने प्रशासनिक रवैए पर नाराज़गी जताई और कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार सभी को है। एसीपी हनुमानगंज राकेश सिंह बघेल ने कहाहमें जानकारी मिली थी कि यहां किसी कमेटी द्वारा प्रदर्शन करने की तैयारी है। चूंकि इकबाल मैदान में किसी तरह का प्रदर्शन या धरना की अनुमति लंबे समय से वर्जित है। व्यवस्था को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल लगाया गया था।

पर्सनल लॉ बोर्ड ने दिया वक्फ बिल के खिलाफ धरना-प्रदर्शन

वक्फ संशोधन बिल के विरोध में गुरुवार को भोपाल में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सेंट्रल लाइब्रेरी ग्राउंड पर धरना-प्रदर्शन किया। बोर्ड के बैनर तले सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समाज जन धरना स्थल पर एकत्रित हुए। शाम करीब 4 बजे यह धरना-प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हुआ। बता दें कि लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ बिल को पास करने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। इसके बाद इसे लागू कर दिया गया। प्रदर्शन को लेकर मेम्बर आमला, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य आरिफ मसूद ने पहले ही वीडियो जारी कर स्पष्ट कर दिया था कि भोपाल में 2 घंटे का प्रदर्शन होगा। इसमें कोई झंडा, बैनर लगाने की मनाही है। न ही कोई रैली निकाली जाएगी

अत्यधिक गर्मी एवं लू से बचने के लिए नागरिक अपनायें सावधानियाँ

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य अमले को तैयारियों के लिए जारी किये निर्देश

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने राज्य में बढ़ती गर्मी और लू की गंभीरता को देखते हुए नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकाल के समय में सभी नागरिकों, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बीमार व्यक्तियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। सरकार और प्रशासन पूरी तरह सतर्क और तैयार हैं। समस्त स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक तैयारियों के लिए निर्देशित कर दिया गया है। उन्होंने अपील की है कि सभी नागरिक सावधानियों का अवश्य पालन करें।

प्रबंध संचालक, एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन और अस्पताल अधीक्षकों को गर्मी के दृष्टिगत स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए आवश्यक तैयारियों और जागरूकता के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गर्मी के मौसम में भारत सरकार द्वारा हीट रिलेटेड इलनेस से बचाव के लिए दिशा-निर्देश को जिला व स्वास्थ्य संस्थानों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के लिए कहा है। साथ ही जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में इन पर चर्चा कर संबंधित विभाग प्रमुखों को भी अवगत कराने के निर्देश दिए गये हैं। उन्होंने जनसामान्य को जागरूक करने और सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में रोगियों को एचआरआई से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, आईएचआईपी पोर्टल पर प्रतिदिन एचआरआई मामलों की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है। इससे अधिक तापमान से होने वाली बीमारियों व अवांक्षित घटनाओं को रोका जा सकेगा।

शरीर को ढँककर रखें- धूप में निकलते समय शरीर को पूरी तरह ढँकना बेहद जरूरी है। हल्के रंग के, सूती और ढीले कपड़े पहनें ताकि गर्मी से राहत मिल सके। सिर को टोपी, छतरी, गमछा या पारंपरिक उपायों से ढकना चाहिए। नंगे पांव धूप में जाना भी हानिकारक हो सकता है, इसलिए चप्पल या जूते पहनना अनिवार्य है।

घर को ठंडा और सुरक्षित बनाएँ- जहाँ तक हो सके, दोपहर के समय घर के अंदर या छांव में रहें। घर में ठंडी हवा का संचार बना रहे, इसके लिए दिन में खिड़कियां और पर्दे बंद रखें और रात में उन्हें खोल दें। बाहर जाना

जरूरी हो, तो सुबह या शाम के ठंडे समय में ही जाएं। गर्मी के समय बाहरी गतिविधियों को सीमित करना आवश्यक है। घर में ठंडक बनाए रखने के लिए पर्दे, शटर या सनशेड का उपयोग करें। दिन में निचली मंजिल पर रहना ज्यादा सुरक्षित होता है। शरीर को ठंडा रखने के लिए पंखा, ठंडा पानी, गीले कपड़े, या 20एष्ट के पानी में पैरों को डुबोना सहायक होता है।

क्या करें हाइड्रेटेड रहना है जरूरी

गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी होना आम समस्या है। इससे गंभीर बीमारियां उत्पन्न हो सकती हैं। नागरिक दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, भले ही प्यास न लगे। यात्रा करते समय पानी अवश्य साथ रखें। ओआरएस, नींबू पानी, लस्सी, छाछ, फलों के रस (थोड़ा नमक मिलाकर) जैसे घरेलू पेय का सेवन लाभकारी होता है। तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर, अनानास, खीरा जैसी मौसमी फल-सब्जियों का सेवन शरीर में तरलता बनाए रखने में सहायक होता है।

विशेष ध्यान देने योग्य संवेदनशील वर्ग- छोटे बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, मानसिक या शारीरिक बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति और बाहर कार्य करने वाले लोग अधिक संवेदनशील होते हैं। इन लोगों को अतिरिक्त सुरक्षा और देखरेख की आवश्यकता होती है। ठंडे प्रदेश से गर्म प्रदेश में आने वाले लोगों को अपने शरीर को नई जलवायु के अनुसार ढालने के लिए समय देना चाहिए।

मौसम की जानकारी रखें- रेडियो, टीवी, समाचार पत्रों या भारत मौसम विज्ञान विभाग की वेबसाइट से मौसम की ताज़ा जानकारी लेते रहें। मौसम की पूर्व चेतावनियों को गंभीरता से लें और उसी अनुसार अपने कार्यक्रम बनाएं।

बचाव के लिए ये गलतियां न करें- दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक बाहर न निकलें। इस समय गर्मी अपने चरम पर होती है। भारी कामकाज या शारीरिक मेहनत भी टालें। नंगे पांव बाहर न निकलें। गर्मी में खाना पकाते समय रसोई में वेंटिलेशन रखें। शराब, चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, या अधिक मीठे पेयों से बचें, ये शरीर से तरलता कम करते हैं। बासी और भारी प्रोटीन युक्त भोजन न करें। किसी भी परिस्थिति में बच्चों या पालतू जानवरों को बंद वाहन में न छोड़ें।

श्रमिकों और नियोक्ताओं के लिए विशेष निर्देश

काम की जगह पर ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना अनिवार्य है और हर 20 मिनट में पानी पीने की सलाह दी जाए। काम को सुबह-शाम के समय शेड्यूल करें। छांव की व्यवस्था करें और कार्य के बीच पर्याप्त आराम दें। नए श्रमिकों के लिए कार्य का समय धीरे-धीरे बढ़ाएं ताकि वे मौसम के अनुसार ढल सकें। श्रमिकों को गर्मी से संबंधित लक्षणों की पहचान और प्राथमिक उपचार की ट्रेनिंग दें। 'बडी सिस्टम' अपनाएं और प्रशिक्षित फर्स्ट एड कर्मियों की व्यवस्था करें। गर्भवती या बीमार श्रमिकों के लिए डॉक्टर से परामर्श आवश्यक है।

भीड़-भाड़ वाले आयोजनों में सावधानी

खेलों या धार्मिक आयोजनों जैसे भीड़-भाड़ वाले आयोजनों में अत्यधिक गर्मी और पसीने के कारण हीट रिलेटेड इलनेस (एचआरआई) की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे आयोजनों में पर्याप्त पानी, छांव और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था अनिवार्य है। उपस्थित लोगों को लक्षणों की जानकारी होनी चाहिए।

गर्मी से होने वाली बीमारियां और लक्षण

अत्यधिक गर्मी से शरीर का तापमान ऊपर जा सकता है, जिससे हीट स्ट्रेस, हीट रैश, हाथ-पांव सूजना, मांसपेशियों की ऐंठन, चक्कर आना, हीट एक्सहॉशन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे दिल, फेफड़े, किडनी जैसी पुरानी बीमारियां भी बढ़ सकती हैं। लक्षणों में चक्कर, बेहोशी, उल्टी, सिरदर्द, बहुत ज्यादा प्यास, गाढ़ा पेशाब, तेज़ सांस और दिल की धड़कन शामिल हैं। मांसपेशियों की ऐंठन होने पर तुरंत ठंडे स्थान पर आराम करें और ओआरएस पिएं। एक घंटे से अधिक ऐंठन रहने पर डॉक्टर से परामर्श लें।

संपादकीय

शिक्षक भर्ती घोटाले की आंच

पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बर्खास्त 25 हजार शिक्षक अब सड़कों पर हैं। कोर्ट ने कहा है कि इन शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द कर, फिर से चयन परीक्षा करवाएं। इससे राज्य में नया राजनीतिक और आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कई शिक्षक ओवर एज हो चुके हैं वो अब कहां जाएं। कई के सामने समस्या ये है कि यदि नई चयन परीक्षा में पास नहीं हुए तो उनका और उनके परिवार का क्या होगा? हालांकि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी कह रही हैं कि वो पीड़ित शिक्षकों के साथ हैं। जरूरी हुआ तो पद से इस्तीफा देने को भी तैयार हैं। वो यह भी कह रही हैं कि सरकार 'योग्य' शिक्षकों की नौकरी बचाने का पूरा प्रयास करेगी। लेकिन कैसे यह स्पष्ट नहीं है। इस्तीफा देकर वो सियासी दांव चल सकती हैं, लेकिन नौकरियां वापस कैसे मिलेंगी, कोई नहीं जानता। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने के भीतर नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। इससे पहले अप्रैल 2023 में कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी ऐसा ही फ़ैसला सुनाया था। लेकिन उस फ़ैसले को सरकार और सेवा आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने मामूली संशोधनों के साथ हाईकोर्ट के फ़ैसले को बरकरार रखा। उधर सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले से प्रभावित हज़ारों शिक्षकों ने अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए 'डिप्राइव्ड टीचर्स एसोसिएशन' नामक संगठन बनाया है। कोर्ट के आदेश के बाद एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी और राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शिक्षकों को भरोसा दिलाया कि उनके जीते जी किसी भी योग्य उम्मीदवार की नौकरी नहीं जाएगी। लेकिन इस योग्य शब्द ने भी भारी भ्रम पैदा कर दिया है। सीएम के साथ बैठक से पहले कथित तौर पर 'योग्य' और 'अयोग्य' उम्मीदवारों के बीच तीखी झड़प हुई, जिससे इलाके में अफ़रा-तफ़री मच गई। नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों की सरकार से मांग है कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरूद्ध समीक्षा याचिका दायर करे, जब तक याचिका पर सुनवाई पूरी न हो, तब तक शिक्षकों को नौकरी से न निकाला जाए। साथ ही इस दौरान नई भर्ती परीक्षा न हो। हालांकि मुख्यमंत्री ममता ने शिक्षकों से कहा है कि वो पढ़ाना जारी रखें। लेकिन इससे भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना होगी। उधर राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की वजह शिक्षक भर्ती में भारी घोटाला और राज्य सरकार की नाकामी माना है। दूसरी तरफ कांग्रेस और वामपंथी भी इस मुद्दे पर हमलावर है। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मामले में चिट्ठी लिखकर ममता के करीब आने का संकेत दिया है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में विस चुनाव तृणमूल अकेले लड़ती है। यकीनन कोर्ट के फैसले से हजारों शिक्षकों के घर फाकाकशी की नौबत आ गई है। अगर सुधार याचिका भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज दी तो फिर क्या होगा? ममता के सामने दूसरी बड़ी चुनौती अगले साल होने वाले विस चुनाव हैं। अगर ममता विस चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ती है तो राज्य में उनकी राजनीतिक ताकत और अजेयता पर प्रश्नचिन्ह लगेगा। लेकिन राज्य में भारी शिक्षक चयन घोटाला और वक्फ बिल पर ममता का मुसलमानों के साथ खड़ा होना विपक्षी भाजपा को फायदा पहुंचा सकता है। दूसरे, ममता ने यह भी कहा है कि योग्य' शिक्षकों की नौकरी नहीं जाएगी। लेकिन यह 'योग्यता' कौन और किस पैमाने पर तय करेगा, यह बड़ा सवाल है। उधर जिन शिक्षकों की नौकरी गई है, उनके सामने खाने के लाले पड़ गए हैं। इससे राज्य में सरकार विरोधी माहौल गहराएगा, ममता के लिए बनेगा, यह बड़ी चिंता है।

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

राज्यपाल बनाम जनादेश- संघीय संतुलन की पुकार

भारतीय संविधान का मूल स्वर संघीयता में निहित है, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच संतुलन और सहयोग अपेक्षित है। राज्यपाल, जो संविधान की धारा 153 से 162 के अंतर्गत राज्य के कार्यपालिका प्रमुख होते हैं, की भूमिका इसी संतुलन के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में परिकल्पित की गई है। वे राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होते हैं, परंतु उनकी प्राथमिक निष्ठा राज्य की विधायिका और संविधान के प्रति होनी चाहिए, न कि किसी राजनीतिक विचारधारा या केंद्र सरकार के प्रति। परंतु व्यवहार में यह संतुलन बार-बार टूटता दिखाई देता है, विशेषकर उन राज्यों में जहाँ केंद्र में सत्तारूढ़ दल और राज्य में सत्तारूढ़ दल भिन्न होते हैं।

हाल ही में भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि के विरुद्ध की गई कठोर टिप्पणियाँ केवल एक व्यक्ति विशेष के आचरण पर प्रश्नचिह्न नहीं हैं, बल्कि यह एक व्यापक, जटिल और अत्यंत महत्वपूर्ण संवैधानिक बहस का उद्घाटन भी है, जो भारत के संघीय ढांचे की स्थिरता और संतुलन से जुड़ी है। यह फैसला न केवल तमिलनाडु सरकार के लिए एक संवैधानिक विजय है, बल्कि पूरे देश के लिए एक चेतावनी भी है कि राज्यपालों की भूमिका महज केंद्र सरकार के एजेंट की तरह नहीं हो सकती, बल्कि उन्हें संविधान के संरक्षक की भूमिका में रहना चाहिए।

तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ लंबित रखे जाने की कार्यवाही को सर्वोच्च न्यायालय ने असंवैधानिक, मनमाना और अलोकतांत्रिक ठहराया। न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि राज्यपाल का यह कर्तव्य है कि वह विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को या तो तुरंत स्वीकृति दें, या असहमति की स्थिति में स्पष्ट रूप से कारण बताते हुए उन्हें लौटा दें। राष्ट्रपति के पास अनिश्चितकालीन संदर्भ में भेज देना संवैधानिक प्रावधानों की अवहेलना है। यह स्थिति केवल विधायी प्रक्रियाओं को ही बाधित नहीं करती, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थानों की आत्मा को भी आहत करती है।

भारतीय संविधान का मूल स्वर संघीयता में निहित है, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच संतुलन और सहयोग अपेक्षित है। राज्यपाल, जो संविधान की धारा 153 से 162 के अंतर्गत राज्य के कार्यपालिका प्रमुख होते हैं, की भूमिका इसी संतुलन के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में परिकल्पित की गई है। वे राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होते हैं, परंतु उनकी प्राथमिक निष्ठा राज्य की विधायिका और संविधान के प्रति होनी चाहिए, न कि किसी राजनीतिक विचारधारा या केंद्र सरकार के प्रति। परंतु व्यवहार में यह संतुलन बार-बार टूटता दिखाई देता है, विशेषकर उन राज्यों में जहाँ केंद्र में सत्तारूढ़ दल और राज्य में सत्तारूढ़ दल भिन्न होते हैं।

तमिलनाडु में डीएमके सरकार और राज्यपाल के बीच का टकराव इसका ज्वलंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और राज्यपाल आर.एन. रवि के बीच टकराव के केंद्र में विधायी प्रस्तावों की मंज़ूरी में देरी, राज्य कैबिनेट के फैसलों को लागू करने में आनाकानी, और यहाँ तक कि राज्य कैबिनेट से एक भ्रष्टाचार के आरोपी मंत्री को बर्खास्त करने की प्रक्रिया में मुख्यमंत्री से परामर्श न करना जैसी घटनाएँ शामिल हैं। राज्यपाल ने मंत्री को बर्खास्त कर राज्य सरकार की स्वायत्तता को चोट पहुँचाई, जिससे यह स्पष्ट संदेश गया कि राज्यपाल की भूमिका एक राजनीतिक दण्डाधिकारी की तरह होती जा रही है। इसे लेकर गृह मंत्रालय को भी हस्तक्षेप करना पड़ा, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि संवैधानिक मर्यादाएँ किस कदर खतरे में हैं।

यह स्थिति केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं है। हाल के वर्षों में पश्चिम बंगाल, केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब जैसे राज्यों में भी राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच टकराव आम हो गया है। दिल्ली में उपराज्यपाल और निर्वाचित सरकार के बीच अधिकारों की लड़ाई तो सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँची, जिसमें न्यायालय को यह स्पष्ट करना पड़ा कि 'जनादेश' और 'लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व' निर्वाचित सरकार के पास होता है, न कि मनोनीत राज्यपाल या उपराज्यपाल के पास।

इन सभी उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि राज्यपालों की भूमिका अब एक 'राजनीतिक हथियार' के रूप में प्रयुक्त की जा रही है, जो संविधान की आत्मा के विपरीत है। न्यायपालिका ने यह ध्यान दिलाया है कि राज्यपाल को 'सरकार का मित्र, मार्गदर्शक और दार्शनिक' होना चाहिए, न कि बाधक या विपक्षी। जब वे विधेयकों को स्वीकृति देने में देरी करते हैं या उन्हें अनिश्चितकाल के लिए लंबित रखते हैं, तो न केवल राज्य सरकार की कार्यशीलता बाधित होती है, बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना भी कुठित होती है।

यह चिंताजनक है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, जो सीधे जनता द्वारा चुनकर आते हैं, को एक मनोनीत अधिकारी द्वारा बाधित किया जा रहा है। विधायिका जनता की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि होती है और उस पर राज्यपाल द्वारा मनमानी करना जनादेश का अपमान है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि विधायकों की संवेदनशीलता और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता किसी भी नियुक्त अधिकारी से अधिक होती है। इसलिए विधायी प्रक्रिया को बाधित करना संवैधानिक नैतिकता के विरुद्ध है।

इस विवाद के पीछे का राजनीतिक पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जब राज्यपाल केंद्र सरकार की राजनीतिक इच्छाओं का उपकरण बन जाते हैं, तब राज्य सरकारों का प्रशासनिक अधिकार छिन्न-भिन्न होने लगता है। यह संघीय ढाँचे की आत्मा पर आघात है। भारत जैसे विविधतापूर्ण और विशाल लोकतंत्र में संघीय संतुलन बनाए रखना अत्यावश्यक है। राज्यपाल को यदि 'कार्टे ब्लांश' (पूर्ण स्वतंत्रता) दे दी जाए कि वह किसी भी राज्य सरकार के कार्य में बाधा डाल सकते हैं, तो यह संघीय प्रणाली को केंद्रीयवाद में बदल देगा। इसका परिणाम राजनीतिक अस्थिरता, विधायी जड़ता और अंततः शासन व्यवस्था की विफलता के रूप में सामने आएगा।

ऐसे में यह आवश्यक हो गया है कि राज्यपाल की नियुक्ति, कार्यप्रणाली और उत्तरदायित्व की एक स्पष्ट और कठोर रूपरेखा हो। इस दिशा में सरकारिया आयोग, पंची आयोग और एम.एम. पुनचि आयोग जैसे कई संवैधानिक निकायों ने पहले ही सुझाव दिए हैं कि राज्यपाल की नियुक्ति में राज्य सरकार से परामर्श अनिवार्य हो और उनकी भूमिका गैर-पक्षपातपूर्ण हो। इसके साथ ही राज्यपाल को सीमित कार्यकाल तक सीमित किया जाना चाहिए और उनकी जिम्मेदारी को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार को भी यह समझने की आवश्यकता है कि संघीय ढाँचे की मजबूती भारत के लोकतंत्र की नींव है। राजनीतिक हितों के चलते राज्यपालों को राज्य सरकारों के विरुद्ध खड़ा करना न केवल अल्पकालिक लाभ की राजनीति है, बल्कि दीर्घकालिक रूप से यह राष्ट्र की एकता और अखंडता को नुकसान पहुँचा सकता है। जब तक केंद्र-राज्य संबंधों में विश्वास, सम्मान और पारदर्शिता का वातावरण नहीं बनेगा, तब तक 'सहकारी संघवाद' का आदर्श केवल भाषणों और दस्तावेजों तक सीमित रहेगा।

इस परिप्रेक्ष्य में, उच्चतम न्यायालय की यह टिप्पणी एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में सामने आई है। यह निर्णय न केवल तमिलनाडु के लिए, बल्कि समस्त भारत के लिए एक चेतावनी है कि संवैधानिक पदों का राजनीतिक उपयोग लोकतंत्र को कमजोर करता है। यह समय है कि केंद्र सरकार स्वयं को संयमित करे, राज्यपालों की भूमिका को परिभाषित करे और उन्हें संविधान के संरक्षक के रूप में पुनः स्थापित करे, न कि किसी दल विशेष के दूत के रूप में।

राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। दोनों की भूमिका राज्य प्रशासन के दो अनिवार्य स्तंभ हैं। यदि वे एक-दूसरे के साथ विश्वास और सम्मान के साथ काम करें, तो शासन की गति तीव्र, प्रभावी और जनहितकारी हो सकती है। लेकिन यदि एक-दूसरे के खिलाफ राजनीतिक हथियार के रूप में प्रयुक्त हों, तो न केवल संवैधानिक मूल्यों का हनन होता है, बल्कि राज्य की जनता भी विकास और सुशासन से वंचित रह जाती है।

अब यह समय है कि केंद्र और राज्यों के बीच रिश्तों की समीक्षा की जाए और संवैधानिक मर्यादाओं की पुर्नस्थापना की जाए। राज्यपाल की भूमिका को राजनीतिक विवादों से बाहर निकालकर संविधान की चौखट में पुनः स्थापित किया जाए। तभी हम एक सशक्त, संतुलित और लोकतांत्रिक भारत की संकल्पना को वास्तविकता में बदल पाएँगे, जहाँ नीतियों की दिशा राजनीतिक इच्छाशक्ति से नहीं, बल्कि संविधान के सिद्धांतों से तय हो।

हनुमानजी के गुण

संदीप सृजन

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

राम भक्त सिखाते हैं जीवन जीने की कला

हनुमान जी भारतीय संस्कृति और धर्म में एक अद्वितीय स्थान रखते हैं। रामायण के इस महान पात्र को न केवल एक शक्तिशाली योद्धा और भक्त के रूप में जाना जाता है, बल्कि वे एक ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व भी हैं जो हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। उनकी कहानियाँ, उनके गुण और उनका चरित्र हमें यह समझाते हैं कि जीवन की चुनौतियों का सामना कैसे करना चाहिए, अपने कर्तव्यों को कैसे निभाना चाहिए और एक संतुलित, सार्थक जीवन कैसे जीना चाहिए। हनुमान जी के जीवन से हमें जो शिक्षाएँ मिलती हैं, वे आज के आधुनिक युग में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी प्राचीन काल में थीं।

निष्ठा और समर्पण-हनुमान जी का सबसे प्रमुख गुण है उनकी भगवान राम के प्रति अटूट निष्ठा और समर्पण। रामायण में हनुमान जी का हर कार्य इस बात का प्रमाण है कि वे अपने स्वामी की सेवा में पूर्णतः समर्पित थे। चाहे वह लंका में सीता माता की खोज हो, संजीवनी बूटी लाने का कठिन कार्य हो, या रावण की सेना से युद्ध करना हो, हनुमान जी ने कभी अपने कर्तव्य से मुँह नहीं मोड़ा। यह हमें सिखाता है कि जीवन में सफलता और संतुष्टि तभी मिलती है जब हम अपने लक्ष्यों, परिवार, और समाज के प्रति निष्ठावान रहते हैं।आज के समय में, जहाँ लोग अक्सर स्वार्थ और तात्कालिक सुखों के पीछे भागते हैं, हनुमान जी का यह गुण हमें याद दिलाता है कि असली शक्ति और आनंद अपने कर्तव्यों को निभाने में है। उदाहरण के लिए, एक छात्र जो अपने अध्ययन के प्रति समर्पित रहता है, एक कर्मचारी जो अपने काम के प्रति निष्ठा रखता है, या एक माता-पिता जो अपने बच्चों की परवरिश में पूरी मेहनत करते हैं–ये सभी हनुमान जी की निष्ठा से प्रेरणा ले सकते हैं। जीवन में जब हम किसी उद्देश्य के प्रति समर्पित होते हैं, तो वह हमें एक दिशा देता है और हमारे कार्यों को सार्थक बनाता है।

विनम्रता के साथ शक्ति-हनुमान जी की शक्ति का कोई मुकाबला नहीं था। वे पहाड़ उठा सकते थे, समुद्र लाँघ सकते थे, और राक्षसों की विशाल सेनाओं को परास्त कर सकते थे। लेकिन उनकी सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे अपनी शक्ति का कभी अहंकार नहीं करते थे। वे हमेशा नम्र बने रहे और अपनी शक्ति का उपयोग केवल दूसरों की भलाई के लिए किया। सुंदरकांड में जब वे लंका पहुँचते हैं, तो वे अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के बजाय पहले स्थिति को समझते हैं और फिर उचित कदम उठाते हैं।यह हमें सिखाता है कि शक्ति तभी सार्थक है जब वह नम्रता के साथ हो। आज के समाज में लोग अक्सर अपनी सफलता, धन, या प्रभाव का दिखावा करते हैं, लेकिन हनुमान जी हमें बताते हैं कि असली ताकत वह है जो दूसरों की मदद के लिए इस्तेमाल की जाए। उदाहरण के तौर पर, एक नेता जो अपनी शक्ति का उपयोग जनता की सेवा के लिए करता है, या एक शिक्षक जो अपने ज्ञान को नम्रता से छात्रों तक पहुँचाता है, वे हनुमान जी के इस गुण को अपनाते हैं। हमारे जीवन में भी, चाहे हम कितने ही सफल क्यों न हों, नम्रता हमें जमीन से जोड़े रखती है और हमारे रिश्तों को मजबूत बनाती है।

साहस और आत्मविश्वास-हनुमान जी का जीवन साहस और आत्मविश्वास की मिसाल है। जब उन्हें लंका जाने का कार्य सौंपा गया, तो शुरू में वे संकोच में थे। लेकिन जामवंत के प्रोत्साहन से उन्होंने अपनी शक्ति को पहचाना और समुद्र को लाँघ कर लंका पहुँच गए। यह घटना हमें सिखाती है कि हमारे अंदर भी अपार संभावनाएँ छिपी हैं, बस हमें अपने आप पर विश्वास करने की जरूरत है। हनुमान जी ने यह भी दिखाया कि साहस का मतलब सिर्फ शारीरिक बल नहीं, बल्कि मन की दृढ़ता भी है। आधुनिक जीवन में कई बार हम मुश्किलों से घबरा जाते हैं,चाहे वह नौकरी में असफलता हो, पारिवारिक समस्याएँ हों, या व्यक्तिगत चुनौतियाँ। हनुमान जी हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने डर को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। उदाहरण के लिए, एक युवा जो नई नौकरी शुरू करने से डरता है, या एक उद्यमी जो व्यवसाय शुरू करने में हिचकिचाता है, वे हनुमान जी के साहस से सीख सकते हैं। आत्मविश्वास और साहस हमें न केवल मुश्किलों से लड़ने की ताकत देता है, बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाता है।

निस्वार्थ सेवा-हनुमान जी का जीवन निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। उन्होंने कभी भी अपने लिए कुछ नहीं माँगा। चाहे वह सीता माता को ढूंढना हो, लक्ष्मण के लिए संजीवनी लाना हो, या राम की सेना की मदद करना हो, हनुमान जी ने हमेशा दूसरों की भलाई को प्राथमिकता दी। उनकी यह निस्वार्थता हमें सिखाती है कि जीवन का असली सुख दूसरों की मदद करने में है।आज के स्वार्थी युग में यह गुण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। हम अक्सर अपने लाभ के बारे में सोचते हैं, लेकिन हनुमान जी हमें याद दिलाते हैं कि जब हम दूसरों के लिए कुछ करते हैं, तो वह न केवल समाज को बेहतर बनाता है, बल्कि हमें भी आंतरिक शांति देता है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति जो जरूरतमंदों की मदद करता है, या एक स्वयंसेवक जो अपने समय को समाज सेवा में लगाता है, वह हनुमान जी की इस शिक्षा को जीता है। हमारे छोटे-छोटे प्रयास, थोड़ी प्रोत्साहित करना, किसी की सहायता करना भी निस्वार्थ सेवा का हिस्सा बन सकते हैं।

बुद्धिमत्ता और विवेक-हनुमान जी केवल शक्तिशाली ही नहीं, बल्कि अत्यंत बुद्धिमान और विवेकशील भी थे। लंका में उन्होंने अपनी बुद्धि का परिचय तब दिया जब वे सीता माता से मिले और उन्हें राम का संदेश पहुँचाया। उन्होंने स्थिति को भाँपकर सही समय पर सही कदम उठाया। रावण के दरबार में भी उनकी बुद्धिमत्ता और वाक्पटुता देखने लायक थी।यह हमें सिखाता है कि जीवन में केवल शक्ति या साहस ही काफी नहीं, बल्कि बुद्धि और विवेक का होना भी जरूरी है। आज के समय में, जहाँ हमें हर दिन कई निर्णय लेने पड़ते हैं, हनुमान जी का यह गुण हमें सही और गलत के बीच चयन करने में मदद कर सकता है। उदाहरण के तौर पर, एक व्यवसायी को अपने व्यापार में जोखिम और लाभ का आकलन करने के लिए विवेक चाहिए, या एक छात्र को अपनी पढ़ाई के लिए सही दिशा चुनने के लिए बुद्धि की जरूरत होती है। हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि भावनाओं में बहने के बजाय सोच-समझकर कदम उठाना चाहिए। हनुमान जी के जीवन की ये शिक्षाएँ केवल धार्मिक या आध्यात्मिक संदर्भ तक सीमित नहीं हैं। आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में ये हमें एक संतुलित और सकारात्मक दृष्टिकोण देती हैं। निष्ठा हमें अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रखती है, नम्रता हमें अहंकार से बचाती है, साहस हमें चुनौतियों से लड़ने की ताकत देता है, निस्वार्थता हमें दूसरों के प्रति संवेदनशील बनाती है, और बुद्धि हमें सही मार्ग दिखाती है। हनुमान जी का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि हमें अपने अंदर की शक्ति को पहचानना चाहिए। जैसे जामवंत ने हनुमान जी को उनकी शक्ति का अहसास कराया, वैसे ही हमें भी अपने आसपास के लोगों और परिस्थितियों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। चाहे वह व्यक्तिगत जीवन हो, सामाजिक जिम्मेदारियाँ हों, या कैरियर की चुनौतियाँ–हनुमान जी की शिक्षाएँ हर क्षेत्र में हमारा मार्गदर्शन कर सकती हैं। हनुमान जी एक ऐसे व्यक्तित्व हैं जो हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। उनकी निष्ठा, नम्रता, साहस, निस्वार्थता और बुद्धि हमें यह समझाती है कि एक सार्थक जीवन कैसे जिया जा सकता है। वे हमें बताते हैं कि शक्ति का असली मतलब दूसरों की भलाई में है, और साहस का मतलब अपने डर को हराने में है। आज के समय में, जब हम तनाव, प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता से घिरे हैं, हनुमान जी का जीवन और उनकी शिक्षाएँ एक प्रकाश स्तंभ की तरह हमें सही रास्ता दिखाती हैं। यदि हम उनके इन गुणों को अपने जीवन में अपनाएँ, तो न केवल हमारा जीवन बेहतर होगा, बल्कि हम अपने आसपास के लोगों के लिए भी प्रेरणा बन सकते हैं। हनुमान जी का आशीर्वाद हमें हमेशा प्राप्त हो, और हम उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक संपूर्ण जीवन जी सकें।

पंजाब में बजरंगबली के बाने

धर्म परंपरा

डॉ. प्रिया सूफी

अतुलित बल के धाम और स्वर्णशैल की आभा के सामान देह वाले रामदूत हनुमानजी को मेधा और स्वामीभक्ति का मानक देवता माना जाता है। निर्भय करने तथा मानसिक संबल देने वाले हनुमानजी समर्पित श्रीराम भक्त ही नहीं, अपने भक्तों को संकट से उबारने वाले बेहद संवेदनशील तथा कोमल मन वाले हैं। भारतीय जन मानस में उनका चरित्र रचा बसा है।

रामलीला का आयोजन जब-तब लगभग सभी जगह किया जाता है। हनुमान नाटक की भी लंबी परंपरा रही है। पंजाब में एक और परंपरा का निर्वाह हर वर्ष किया जाता है जिसे बजरंगबली के बाने के नाम से जाना जाता है। हनुमान जी के रामकथा में पदार्पण से बहुत पहले हनुमान जी का चरित्र निभाने वाला पात्र हनुमान जी की साधना करता है ताकि वह हनुमान जी जैसे सशक्त पात्र को निभा सके। पुराने समय में हमारे शहर होशियारपुर में एक ही पहलवान सरीखा व्यक्ति हनुमानजी का किरदार निभाता था। वही हर साल हनुमान बनता। उसका शरीर संगठन भी हनुमान जी के समान बलशाली व विशाल था। उसके रूप को 'हनुमान का बाना' कहा जाता था।

समय बदला और लोगों का रुझान इन पौराणिक कथाओं से हट कर मोबाइल, कंप्यूटर की दुनिया में केंद्रित हो गया। परंतु, एक बेहद संतुष्टि की बात है कि पिछले कुछ सालों से इस शहर में हनुमानजी के बाने धरने की परंपरा बड़े ही विस्तृत ढंग से निभाई जानी आरम्भ हो गई है। अपने बच्चों को मोबाइल की अंधी दौड़ से बचाने या अपनी पुरातन परंपरा के प्रति अपना दायित्व निभाने के लिए अथवा अपने बच्चे को किसी अनजाने संकट से बचाने के लिए किसी मां के प्रयत्न से इस नई परंपरा ने जन्म लिया। अब हनुमानजी के बाने केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि शहर भर से कई बच्चे पहनते हैं। हर गली, मुहल्ले के अपने हनुमानजी होते हैं। यह कोई भेड़चाल या नकल नहीं है। हनुमान जी की निस्स्वार्थ निर्द्वंद्व भक्ति तक पहुंचना

इतना भी आसान नहीं है।

गर्व होता है कि इस परंपरा के निर्वाह के लिए हमारे शहर के सौ डेढ़ सौ जवान लड़के संपूर्ण समर्पित भाव से 40 दिन का व्रत लेते हैं। यह रामलीला में हनुमानजी की उपस्थिति से पहले के दिन होते हैं। इन दिनों बच्चे 40 दिन तक केवल फलाहार खाते हैं, जमीन पर सोते हैं और धोती और अंग वस्त्र पहन कर नंगे पांव रहते हैं। हनुमानजी के बाने में उनका शुद्ध मिट्टी से बना चेहरा जिस के शीर्ष पर काफी भारी मिट्टी का मुकुट जो दो फुट से लेकर चार फुट तक लम्बा हो सकता है। फिर उसको सीधा रखने तथा और सजावट के लिए पीछे के तरफ लगभग 10 फुट लंबा डंडा लगाते हैं। जिसके ऊपरी भाग पर दो हुक लगे होते हैं जिस पर बड़े बड़े पटाखा बम बांध कर चलाए जाते हैं।

40 दिन तक इन बानों की पूजा अर्चना की जाती है। फिर जिस दिन इन्हें पहनना होता है उस दिन पीली मिट्टी (गाचनी) को शरीर पर मल कर स्वयं को शुद्ध करते हैं। और फिर इन बानों को धारण करते हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

भारतीय सड़कों का महासंग्राम

भारतीय सड़कों से मुझे प्रेम है। गाय और गंगा की तरह सड़कों को भी हमें माता मानना चाहिए। वे दिन-रात जनसेवा में जुटी रहती हैं, करोड़ों संतानों को अविचलित भाव से ढोती हैं। संतानें वाहनों में यों खचाखच भरी होती हैं, जैसे दड़बे में चूज़े। बसों की छतों पर ऐसे लटकी रहती हैं, जैसे पेड़ पर चमगादड़ें। फुटबोर्डों पर ऐसे खड़ी रहती हैं, जैसे पतले तार पर नट। कुछ संतानों को ट्रकों के पीछे लटकना अच्छा लगता है। वे वहाँ ऐसे झूलती हैं, जैसे सर्कस के कलाकार झूले पर।

दरअसल, हमारे इस गणतंत्र में सार्वजनिक परिवहन में जगह का संकट हमेशा बना रहता है। यात्री को गंतव्य तक बिना आराम के काम चलाना पड़ता है। यह एक कठिन योग-साधना है। ट्रकों के पीछे लटकना मुसाफ़िरों को इस तपस्या से बचाता है। दूसरी बात यह है कि ट्रैफ़िक पुलिस चाहकर भी वहाँ नहीं पहुँच सकती। इससे भ्रष्टाचार की एक नई शाखा नहीं फूटने पाती। कुछ संतानें अत्यंत रोमांचप्रिय होती हैं। उन्हें दुर्गम स्थानों पर अतिक्रमण में आनंद आता है। वे बसों के बंपरों पर ही कब्जा कर लेती हैं। संभवतः वे सड़क और घुड़सवारी दोनों का मज़ा एक साथ उठाना चाहती हैं।

भारतीय सड़कों की सहनशीलता स्तुत्य है। धरती की तरह वे भी बड़ा कलेजा रखती हैं। संतानों द्वारा वे भी उत्पीड़ित हैं। अतः उन्हें भी माँ का दर्जा मिलना चाहिए। माँ का दर्जा देकर हम किसी भी वस्तु पर ज़्यादती का अधिकार पा लेते हैं। गंगा हमारी माँ है, इसीलिए हमने उसे खूब प्रदूषित कर दिया है। सड़कों को भी हमें पूज्य घोषित कर देना चाहिए। पूज्य घोषित कर देने से पूजित की दुर्गति करने में आसानी हो जाती है। भारतीय सड़कों की 'भारतीयता' मुझे प्रभावित करती है। इस देश की हर वस्तु पर पश्चिमी रंग चढ़ चुका है। सड़कें ही अपवाद रह गई हैं। वे भी हड़बड़ी में नहीं दिखाई देतीं। जल्दबाज़ी उनके स्वभाव में नहीं है। सड़क विभाग ने उनके विश्राम के लिए चौक-चौराहे बनाए हैं, पर वे अपनी मर्ज़ी से चलती और रुकती हैं। कई बार संकेतों को अनदेखा करते हुए आगे बढ़ जाती हैं। तब यात्रियों को ही उनके पीछे दौड़ना पड़ता है। स्वतंत्रता उन्हें बहुत प्रिय है। किसी ट्रैफ़िक नियम को वे स्वीकार नहीं करतीं। बंधी-बंधाई लीक पर चलना भी उन्हें पसंद नहीं। इसीलिए अक्सर पटरी से उतर जाती हैं। सड़क विभाग इसे दुर्घटना समझता है, जबकि सड़कें अपनी स्वतंत्रता की उद्घोषणा कर रही होती हैं।

भारतीय सड़कों से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। वे एक खुला विश्वविद्यालय हैं। संघर्षशीलता सिखाने में वे बेजोड़ हैं। उनमें सीट प्राप्त करना बड़ा ही वीरता का कार्य है। ओलंपिक में स्वर्ण पदक पाना आसान है, पर भारतीय बसों में सीट पाना बहुत मुश्किल। एक बस में कितनी भेड़-बकरियाँ होंगी, यह तय है, पर इंसान कितने होंगे, यह तय नहीं है। पश्चिम में 'लेडिज़-फ़र्स्ट' का शिष्टाचार प्रचलित है। भारतीय सड़क विभाग के शिष्टाचार में 'एनिमल-फ़र्स्ट' होते हैं। भारतीय सड़कों में ही यह सुविधा है कि आप जहाँ चाहें बैठ जाएँ। सड़कों की ओर से कोई प्रतिबंध नहीं। सीट नहीं मिलती तो लगेज रखने का स्थान ही सही, वहीं हाथ-पैर मोड़कर बैठ जाइए। वहाँ भी 'हाउसफुल' हो तो फ़र्श हाज़िर है। रास्ते में ही पेटी-बिस्तर लगाकर पसर जाइए। सहयात्री आपको कष्ट दिए बिना ऊपर से आते-जाते रहेंगे। भारतीय सड़कों का यह दृश्य बड़ा ही मनोरम होता है। लगता है,अंतरिक्ष-यात्री यान में तैर रहे हैं। अभी आसमाँ और भी हैं। आप पंखों पर लटक कर यात्रा कर सकते हैं। वैसे भी भारतीय बसों के पंखे हवा तो देते नहीं, शोर भर करते रहते हैं। पंखों पर जगह न मिले तो शौचालय शेष है, वहाँ आसन जमा लीजिए। अन्य यात्रियों की चिंता मत कीजिए। दरअसल, भारतीय बसों का पूरा कंपार्टमेंट ही शौचालय होता है। बैठने के इतने विकल्प विश्व की कोई परिवहन सेवा नहीं दे सकती। हमें अपनी सड़कों पर गर्व करना चाहिए। भारतीय सड़कों में प्रवेश करते समय आपका आत्मविश्वास विकलांग हो जाता है, जबकि उतरते वक्त आप आत्मविश्वास से लबालब भरे होते हैं। सीट पाने की सफलता आपको लौह-पुरुष बना देती है। लगता है कि अब आप माउंट-एवरेस्ट भी फतह कर सकते हैं। बस में प्रवेश करते समय आप महज़ टेकचंद थे, उतरे तो तेजसिंह बनकर। भारतीय सड़कों का यही कमाल है। वे आपको बहादुर बनाती हैं। जो भी ऊँची महत्वाकांक्षाएँ रखते हैं, उन्हें भारतीय सड़कों पर अवश्य चलना चाहिए। वे एक परीक्षा हैं।

सड़कें हमें धैर्य का पाठ भी पढ़ाती हैं। वे आसानी से पकड़ में नहीं आतीं। यात्रियों के साथ लुकाछिपी खेलने में उन्हें आनंद आता है। उन्हें पकड़ने के लिए धूनी रमानी पड़ती है। बस स्टॉप पर डेरा डालना पड़ता है। वे बार-बार आपके साथ छल करती हैं। घोषणा होती है कि सिर्फ़ आधा घंटा लेट है। आप राहत की साँस लेते हैं। भारत में वे यात्री भाग्यवान माने जाते हैं, जो मात्र आधा घंटा इंतज़ार के बाद बस पा लेते हैं। नियत समय पर गाड़ी पाने का सौभाग्य तो यात्री को जीवन में एकाध बार ही मिल पाता है। हमारे देश में गाड़ी का समय पर आना ज़रूर एक विस्मयजनक समाचार होता है। लोग समाचार की सत्यता जानने के लिए बार-बार प्रेस में फ़ोन करते हैं। आधा घंटा बाद नई घोषणा होती है कि विलंब की अवधि एक घंटा बढ़ गई है। आपकी राहत कराहट में बदल जाती है। आप चाय पी-पीकर किसी तरह यह समय भी काट लेते हैं। फिर पैंतालीस मिनट और आपसे इंतज़ार की अपेक्षा की जाती है। अब आपकी कराहट बौखलाहट की शक्ल ले लेती है। आप पाकेट-दर-पाकेट सिगरेट फूँकने लगते हैं, जंभाई पर जंभाइयाँ लेने लगते हैं। पर बस अगले पैंतालीस मिनट बाद भी नहीं आती।भारतीय सड़कें महज़ पथ नहीं हैं, वे हमारे धैर्य, संघर्ष और जीवन जीने की कला का प्रशिक्षण देती हैं। इस महायात्रा में जो बच गया, वही 'यात्री' कहलाने योग्य है।

हनुमान प्रकटोत्सव पर विशेष

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम

मान्यता है कि जिस स्थान पर भी श्रीराम चरित मानस, रामायण, श्रीमद्भागवत, गीता तथा कथा सत्संग भजन-कीर्तन आदि का आयोजन होता है वहाँ हनुमान जी स्वयं आकर विराजते हैं और इनका श्रवण कर आनंदित होते हैं। हनुमान चालीसा में वर्णित है- प्रभु चरित्र सुनबे को रसिया राम लखन सीता मन बसिया। राम चरित मानस में अनेक प्रसंगों में हनुमान जी की अद्भुत शक्तियों, गुणों उनके बल बुद्धि विवेक आदि का वर्णन संत तुलसीदास ने किया है।

रामभक्त हनुमान जी का चरित्र और उनकी महिमा अपार है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना आसान नहीं है। इस वर्ष चैत्र शुक्ल पूर्णिमा शनिवार 12 अप्रैल को हनुमान जी का प्राकट्योत्सव श्रद्धा भक्ति के साथ स्थान - स्थान पर मनाया जा रहा है। इस दिन को श्रद्धालुओं द्वारा बड़े जोर-शोर से मनाया जाता है। अखंड रामायण पाठ, सुंदर कांड, हनुमान चालीसा, बजरंग बाण, हनुमाष्टक आदि के पाठ विशेष रूप से किये जाकर व्रत-उपवास भी किये जाते हैं। बजरंग बली की प्रतिमाओं पर सुगंधित चोला चढ़ाकर हवन-पूजन आरती तथा भंडारे का आयोजन बड़े पैमाने पर होता है। हमारे यहाँ देश के सुदूर अंचलों, गाँवों, कस्बों से लेकर शहरों तक अनेक जगहों पर हनुमान जी खेड़ापति के स्वरूप में विराजित हैं। उन्हें ही इन स्थानों का रक्षक माना जाता है।

मान्यता है कि जिस स्थान पर भी श्रीराम चरित मानस, रामायण, श्रीमद्भागवत, गीता तथा कथा सत्संग भजन-कीर्तन आदि का आयोजन होता है वहाँ हनुमान जी स्वयं आकर विराजते हैं और इनका श्रवण कर आनंदित होते हैं। हनुमान चालीसा में वर्णित है- प्रभु चरित्र सुनबे को रसिया राम लखन सीता मन बसिया। राम चरित मानस में अनेक प्रसंगों में हनुमान जी की अदभुत शक्तियों, गुणों उनके बल बुद्धि विवेक आदि का वर्णन संत तुलसीदास ने किया है।

हनुमान चालीसा के माध्यम से तुलसीदास जी ने बजरंग बली की स्वामी भक्ति, उनके अनुपम बल तथा क्षमताओं का सांगोपांग वर्णन किया है इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है। आज भी असंख्य लोग इसका श्रद्धा के साथ पाठ करते हैं। खासकर संकटों से घिरे श्रद्धालुजन इसका नित्य पाठ कर परेशानियों से बाहर निकलने का मार्ग अनुभव करते हैं। इसमें कहा गया है- संकट कटे मिटे सब पीरा जो सुमिरै हनुमत बलबीरा, दुर्गम काज जगत के जेते सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते। इसी प्रकार हनुमाष्टक में वर्णित है कि- कौन सो संकट मोर गरीब को जो तुमसो नहीं जात है टारो तथा बजरंग बाण में कहा गया है- जय जय जय हनुमंत अगाधा दुख पावहि जन केहि अपराधा। मानस के किष्किंधा कांड की चौपाई- कवन सो काज कठिन जग माही जो नहीं होइ तात तुम्ह पाही।

वस्तुतः राम चरित मानस में बालकांड से लेकर अनेक प्रसंगों और सुंदर कांड में विशेषकर हनुमान जी की महिमा का विस्तार से अदभुत वर्णन है। मानस के बालकांड में प्रारंभ में ही लिखा है-प्रनवउं पवन कुमार खल बन पावक ग्यान घन, इसी प्रकार- महावीर बिनवउं हनुमाना राम जासु जस आप बखाना। सुंदर कांड में स्वयं हनुमान जी कहते हैं- राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम, राम दूत मैं मातु जानकी सत्य शपथ करुणा निधान की। जब सीता जी की खोज में गये तब समुद्र किनारे जामवंत हनुमान जी को उनके बल बुद्धि का स्मरण कराते हैं। राम काज लगि तव अवतारा, सुनतहि भयउ पर्वतकारा। सीता जी द्वारा संदेह प्रकट करने पर वे अपना मूल स्वरूप दिखाते हैं- कनक भूधराकार शरीरा, समर भयंकर अतिबल बीरा। सीता जी की सुधि लेकर आने पर प्रभु श्रीराम कहते हैं- सुनु कपि तोहि समान उपकारी नहीं कोउ सुर नर मुनि तनुधारी, तब प्रत्युत्तर में हनुमान जी कहते हैं- सो सब प्रताप रघुराई नाथ ना कछु मोरि प्रभुताई। इस प्रकार

उनसे विनम्रता का पाठ भी सीखा जा सकता है।

यह तथ्य शास्त्रोक्त है कि 8 चिरंजीवी में हनुमान जी राम भक्ति और प्रभु भक्तों की रक्षा में रत हैं। हमारे यहाँ अयोध्या, प्रयागराज, चित्रकूट, उज्जैन आदि धर्मस्थलों सहित भोपाल में अरेरा कॉलोनी 1100 क्वार्टर हनुमान मंदिर, चार इमली, न्यू मार्केट, छोला रोड, रविशंकर नगर समेत इंदौर में रणजीत हनुमान मंदिर, प्राणी संग्रहालय के पास स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर, देवास में कंट्रोल रूम के नज़दीक खेड़ापति हनुमान मंदिर तथा अधिकांश जगहों पर हनुमान जयंती पर्व पर विशेष आयोजन होते हैं।

भोपाल के 1100 क्वार्टर स्थित हनुमान मंदिर की विशेष महिमा बताई जाती है। यह एक सिद्ध स्थान है जहां हनुमान सामाजिक सांस्कृतिक समिति द्वारा भव्य उत्सव मनाया जाता है। यहां प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को सुंदर कांड, हनुमान चालीसा की संगीतमय प्रस्तुति होती है। भंडारे का आयोजन श्रद्धालुजन के सहयोग से किया जाता है। मैंने स्वयं अनुभव किया है कि यहाँ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में जैसे सीए, एमबीबीएस, आईआईटी, नीट आदि परीक्षाओं के लिए तैयारी करने वाले विद्यार्थी सफलता की कामना लिये नियमित रूप से आते हैं। सो, जैसे हरि अनं त हरि कथा अनंता वैसे ही हनुमान जी की अनंत महिमा का वर्णन करना इस अकिंचन के लिये बहुत मुश्किल कार्य है।

हनुमान जयंती विशेष

मुकेश नागर

लेखक एवं स्तंभकार

हनुमान जी के पास हमेशा गदा होने का भी कारण

धन के स्वामी कुबेर ने हनुमानजी को कौमुद नामक गदा भेंट की और वरदान दिया था कि किसी भी युद्ध के समय जब यह कौमुद गदा आपके पास रहेगी, आपको कोई पराजित नहीं कर सकेगा। तब से हनुमानजी सदैव हमेशा कौमुद गदा अपने साथ रखते हैं। इस कारण सूर्य पुत्र शनि देव भी हनुमान जी और उनके भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखते हैं।

पवन पुत्र हनुमान जी के हम जब भी दर्शन करते हैं, उनकी मूर्ति के साथ हमेशा पास गदा दिखाई देती है। उनके पास सदैव गदा होने का भी एक रहस्य है। एक किवदंती के अनुसार अपने बाल्यकाल मे पवनपुत्र हनुमान ने आकाश में गुलाबी केसरिया रंग के उदित होते सूर्य देव के दर्शन किए तो उदित होने वाले सूर्य देव ने उनका मन मोह लिया। अपनी बाल बुद्धि से उन्होने कोई खाने की वस्तु समझकर सूर्य देव को पवन वेग से आसमान में जाकर निगल लिया। इससे तीनो लोकों में हाहाकार मच गया और प्रकृति का संतुलन बिगड़ने लगा ।

उस समय देवताओं और राक्षसों में हमेशा आपसी द्वंद चलता रहता था। देवता और राक्षस हमेशा एक दूसरे पर विजय पाने के उद्देश्य से एक-दूसरे पर अकारण आक्रमण किया करते थे। किसी राक्षस के द्वारा भगवान सूर्य पर किया गया आक्रमण समझकर इंद्र देव ने वज्र से बाल हनुमान पर प्रहार किया जिससे वे मूर्छित हो गए। उनको मूर्छित देख पवन देव ने पवन का वेग रोककर और प्रकृति का संतुलन और बिगाड़ दिया। तब ब्रम्हदेव ने प्रकट होकर हनुमान जी की मूर्छा को भंग किया और वहां मौजूद सभी देवताओं ने उन्हें प्रसन्न करने के लिए उन्हें अस्त्र-शस्त्र भेट किए।

उस समय वहां मौजूद धन के स्वामी कुबेर ने भी हनुमानजी को कौमुद नामक गदा भेंट की ओर वरदान भी दिया कि किसी भी युद्ध के समय जब यह कौमुद गदा आपके पास रहेगी, तब आपको कोई भी पराजित नही कर सकेगा। तब से हनुमानजी सदैव हमेशा कौमुद गदा अपने साथ रखते हैं। इस कारण सूर्य पुत्र शनि देव भी हनुमान जी और उनके भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखते हैं। क्योंकि, रावण ने जब कठिन तपस्या से शक्ति प्राप्त कर सभी नौ ग्रहों को बंदी बनाकर रखा था, तब शनि देव भी रावण की कैद में थे।

शनि देव को जिन्हें सर्वाधिक कष्ट देने वाला ग्रह माना जाता है। रावण ने उन्हें अपने पैरों के नीचे रखा था। रावण उनकी पीठ पर अपने पांव रखकर अपने सिंहासन पर बैठता था। जब हनुमानजी माता सीता की खोज में लंका पहुंचे, तो लंका के बाग बगीचे के बड़े-बड़े पेड़ों को नष्ट कर पूरी लंका में तबाही मचा दी। जब वे रावण के किसी राक्षस के काबू में नहीं आए, तब मेघनाथ ने ब्रम्हास्त्र का प्रयोग किया, तो हनुमानजी ने स्वयं ही ब्रह्मास्त्र का सम्मान करते हुए अपने आपको समर्पित कर दिया था। दरबार में ब्रम्हास्त्र की पतली रस्सी में बंधा देख रावण ने ब्रहास्त्र पर अविश्वास प्रकट करते हुए कहा कि इस वानर को इतनी पतली रस्सियों से क्यों बांध रखा है। रावण द्वारा अविश्वास करते ही हनुमान जी ने ब्रह्मास्त्र से अपने आपको मुक्त कर लिया और रामदूत बनकर रावण से माता सीता को मुक्त कर भगवान राम की शरण में आने का संदेश दिया। हनुमानजी को देखकर शनि देव ने भी हनुमान जी से विनती की, कि मुझे भी मुक्त कराएं। तब शनि देव की मुक्ति के लिए हनुमान जी ने रावण से कहा था कि हे रावण अपने आप को वीर कहता है शनि देव की पीठ पर पांव रख कर बैठा है। अरे कौनसा वीर योद्धा पीठ पर वार करता है। यह सुनकर रावण ने शनि देव को सीधा कर उनके सीने पर पांव रखकर सिंहासन पर बैठ गया। शनि देव भी यही चाहते थे कि उनकी दृष्टि रावण पर पड़े। क्योंकि, शनि देव की दृष्टि में ही दोष है। अत: रावण पर शनि देव की दृष्टि पढ़ते ही रावण के विनाशकाल का दौर शुरू हुआ।

लंका में रावण की सेना ने सबसे पहले राम दूत हनुमानजी की पूंछ में आग लगाई थी, जिससे हनुमानजी ने पूरी लंका जला दी। यह शनिदेव की रावण पर दृष्टि पड़ते ही रावण के विनाश की शुरुआत थी। तब शनिदेव ने हनुमानजी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हे प्रभु हनुमान भक्तों पर सदैव मैं अपनी कृपा बनाए रखूंगा। जो भी आपकी भक्ति करेगा, उसे में कभी कष्ट नहीं दूंगा। तब से ही हर शनि मंदिर में हनुमानजी की भी मूर्ति होती है। वे कौमुद गदा सदा अपने साथ ही रखते हैं। हनुमान जी चिरंजीवी है उन्हें कलयुग का देवता भी कहा जाता हैं। जब भगवान राम और माता सीता इस मनुष्य लोक को छोड़कर वैकुंठ लोक में जा रहे थे, तब उन्हें चिरंजीवी होने का वरदान दिया था। इस कलयुग में जहां भी राम कथा होती है, कहते है कि हनुमानजी वहां हनुमान जी किसी न किसी रूप में रामकथा सुनने अवश्य आते हैं।

हनुमान जयंती पर विशेष

रमेश रंजन त्रिपाठी

हनुमत तत्व

हनुमत तत्व को समझने के लिए गोस्वामी तुलसीदास जी से बेहतर मार्गदर्शक कौन हो सकते हैं? तत्व का अर्थ है एकसमान और शुद्ध घटकों से बनी अपरिवर्तनीय अवस्था। तुलसी बाबा ने 'अतुलित बल के धाम, सुवर्ण पर्वत के समान देहवाले, दनुज रूपी जंगल को दग्ध करने के लिए अग्नि, ज्ञानियों में अग्रगण्य, समस्त सद्गुणों के भंडार, वानरों के अधिपति, भगवान राम के प्रिय भक्त' बजरंगबली के अवतार का उद्देश्य बताया है- 'राम काज लगि तव अवतारा', अर्थात हनुमान जी का अवतार श्रीराम का कार्य संपन्न करने के लिए हुआ है। हनुमान जी की आरती में उन्हें 'दुष्ट दलन रघुनाथ कला' कहा गया है जो सौ फीसदी सच है। गुसाईं जी ने 'श्रीहनुमान चालीसा' में 'विद्यावान, गुणी, अति चतुर' पवनपुत्र को 'रामकाज' करने के लिए 'आतुर' रहनेवाला कहा है। बजरंगबली की विशेषता है कि वे अत्यंत कठिन कार्यों को पूरे उत्साह और क्षमता के साथ सोल्लास संपन्न करते हैं। किसी ग्रंथ में हनुमान जी के मुख पर कभी चिंता, उदासी, निराशा या नकारात्मकता के भाव आने का उल्लेख नहीं मिलता। वे अपने स्वामी प्रभु राम की आज्ञा का पालन करने के लिए हरदम तैयार रहते हैं। उत्साह, उमंग, आत्मविश्वास, विद्वत्ता, सद्गुण और साहस के मूर्त रूप हनुमान जी की लीलाएँ सभी के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत हैं।

हनुमान जी ने शिक्षा प्राप्त करने के लिए अथक परिश्रम किया। विद्याध्ययन की आयु होने पर माता-पिता ने सूर्यदेव से उन्हें अपना शिष्य बनाने की प्रार्थना की। भास्कर भगवान हनुमान जी जैसे तेजस्वी चेले के गुरु बनना चाहते थे परंतु उन्होंने अपनी मजबूरियाँ बताईं कि वे बिना रुके निरंतर गतिमान रहते हैं। पढ़ने के लिए बजरंगबली को सूर्यदेव के पीछे चलना पड़ता या आगे अथवा बगल में। ऐसा करते हुए गुरु अपने शिष्य के आगे, पीछे या बगल में होते। इन सभी अवस्थाओं में विद्यादान वर्जित होता। इस विकट समस्या का समुचित समाधान करते हुए पवनपुत्र ने कहा कि वे अपने गुरु के सम्मुख हाथ जोड़कर उल्टा चलते हुए शिक्षा ग्रहण करेंगे। जिस गति से सूर्यदेव चलते हैं हनुमान जी ने उसी गति से उल्टा चलते हुए अपनी पढ़ाई पूरी की।

पवनपुत्र की विद्वता का सुंदर वर्णन महर्षि वाल्मीकि ने 'रामायण' में किया है। सीता जी के अपहरण के पश्चात किष्किन्धा के समीप पहुँचे राम और लक्ष्मण का भेद लेने सुग्रीव अपने मंत्री हनुमान जी को भेजते हैं। पवनसुत तपस्वी का वेष धारण कर श्रीराम एवं लक्ष्मण के पास जाकर उनकी प्रशंसा करते हुए वन में विचरने का अभिप्राय पूछते हैं तथा अपना परिचय देकर सुग्रीव से मित्रता करने का आग्रह करते हैं। हनुमान जी द्वारा सविस्तार कही गई बातों को सुनकर श्रीराम उनकी विद्वता, ज्ञान एवं वाक-पटुता की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए लखनलाल से कहते हैं- सुमित्रानंदन! ये महामनस्वी वानरराज सुग्रीव के सचिव हैं और उन्हीं के हित की इच्छा से मेरे पास आए हैं। इन कपिवर हनुमान से, जो बातों के मर्म को समझनेवाले हैं, तुम स्नेहपूर्वक मीठी वाणी में बातचीत करो। जिसे ऋग्वेद की शिक्षा नहीं मिली, जिसने यजुर्वेद का अभ्यास नहीं किया तथा जो सामवेद का विद्वान नहीं है, वह इस प्रकार सुंदर भाषा में वार्तालाप नहीं कर सकता। निश्चय ही इन्होंने समूचे व्याकरण का कई बार स्वाध्याय किया है, क्योंकि बहुत सी बातें बोल जाने पर भी इनके मुँह से कोई अशुद्धि नहीं निकली। संभाषण के समय इनके मुख, नेत्र, ललाट, भौंह तथा अन्य सब अंगों से भी कोई दोष प्रकट हुआ हो, ऐसा कहीं ज्ञात नहीं हुआ। इन्होंने थोड़े में ही बड़ी स्पष्टता के साथ अपना अभिप्राय निवेदन किया है। उसे समझने में कहीं कोई संदेह नहीं हुआ है। रुक-रुककर अथवा शब्दों या अक्षरों को तोड़-मरोड़कर किसी ऐसे वाक्य का उच्चारण नहीं किया है, जो सुनने में कर्णकटु हो। इनकी वाणी हृदय में मध्यमारूप से स्थित है और कंठ से बैखरीरूप में प्रकट होती है, अतः बोलते समय इनकी आवाज न बहुत धीमी रही है न बहुत ऊँची। मध्यम स्वर में ही इन्होंने सब बातें कही हैं। ये संस्कार और क्रम से संपन्न, अद्भुत, अविलंबित तथा हृदय को आनंद प्रदान करने वाली कल्याणमयी वाणी का उच्चारण करते हैं। हृदय कंठ और मूर्धा इन तीनों स्थानों द्वारा स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त होने वाली इनकी इस विचित्र वाणी को सुनकर किसका चित्त प्रसन्न न होगा? वध करने के लिए तलवार उठाए हुए शत्रु का हृदय भी इस अद्भुत वाणी से बदल सकता है। जिस राजा के पास इनके समान दूत न हो, उसके कार्य की सिद्धि कैसे हो सकती है? जिसके कार्यसाधक दूत ऐसे उत्तम गुणों से युक्त हों, उस राजा के सभी मनोरथ दूतों की बातचीत से ही सिद्ध हो जाते हैं।

बजरंगबली के गुणों से प्रभावित श्रीराम को विश्वास था कि वे ही सीता जी की खोज कर सकेंगे। इसीलिए असंख्य वानरों में से राघव ने निशानी के रूप में अपनी अँगूठी हनुमान जी को दी। दक्षिण दिशा में सीता जी की तलाश कर रहे वानर दल को संपाति से उनके लंका में होने की जानकारी मिली। समुद्र तट पर बैठे अंगद और जामवंत जैसे वीरों ने सागर पार कर लंका पहुँचने में असमर्थता जताई। तब जामवंत के कहने पर बिना किसी हिचक के हनुमान जी समुद्र पार कर लंका पहुंच जाते हैं। वे न केवल जानकी जी से मिलते हैं बल्कि कई राक्षसों का वध कर लंका को जला देते हैं। राम-रावण युद्ध में वे अक्षय कुमार, धूम्राक्ष, अकंपन, देवांतक, दुर्मुख जैसे अनेक दुर्दांत राक्षसों का वध करते हैं। मेघनाथ की प्राणघातनी शक्ति से गंभीर रूप से घायल लक्ष्मण की चिकित्सा के लिए रातोंरात हिमालय से संजीवनी बूटी लाने का असंभव कार्य कर उनके प्राणों की रक्षा करते हैं।

श्रीमद् वाल्मीकीय रामायण में एक मार्मिक प्रसंग है। इंद्रजीत युद्ध में राम-लक्ष्मण सहित समस्त वानर वीरों को अपने प्रहारों से अचेत कर देता है। तब घायल जामवंत विभीषण से पूछते हैं कि हनुमान जी जीवित हैं या नहीं? विभीषण को ताज्जुब होता है कि श्रीराम और लक्ष्मण की कुशलक्षेम जानने की बजाय जामवंत बजरंगबली के लिए चिंतित हैं। ऋक्षराज विभीषण से कहते हैं, 'यदि हनुमान जीवित हों तो यह मरी हुई सेना भी जीवित ही है। यदि उनके प्राण निकल गए हों तो हमलोग जीते हुए भी मृतक तुल्य हैं।'

'राम काज' क्या है, जिसके लिए हनुमान जी ने अवतार लिया? तुलसी बाबा ने बताया है कि अधर्म का नाश, धर्म की स्थापना तथा सज्जनों का हित करने के लिए श्रीराम अवतार लेते हैं। यही 'राम काज' है। महर्षि वाल्मीकि ने 'रामायण' में लिखा है कि भगवान राम जब प्रजा सहित अपने परमधाम को जाने लगे तब पृथ्वी पर रामकथा का प्रचार रहने तक अपने भक्तों के कल्याण का भार हनुमान जी को सौंप गए। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जगत कल्याण के पर्याय हैं। निरंतर इस कार्य में संलग्नता का भाव ही हनुमत तत्व है।

जिला अस्पताल में युवक की मौत के बाद हंगामा

बैतूल। जिला अस्पताल में गुरुवार देर रात एक दुर्घटनाग्रस्त युवक की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। मिलनपुर निवासी दिलीप यशवंत राव को सड़क हादसे के बाद गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। गंभीर स्थिति को देखते हुए युवक को आईसीयू में भर्ती किया गया। रात करीब 11 बजे उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। इस पर परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया। आईसीयू के बाहर तोडफ़ोड़ कर अस्पताल की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। सूचना मिलते ही बैतूल कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लिया। डॉक्टरों की शिकायत पर तोडफ़ोड़ करने वाले परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि स्टाफ ने अपनी पूरी क्षमता से मरीज का इलाज किया। परिजनों का हिंसक व्यवहार न केवल अस्पताल की व्यवस्था को बल्कि अन्य मरीजों की सुरक्षा को भी प्रभावित करता है।

हनुमान जयंती पर केसरीनंदन हनुमान मंदिर बड़ा नीम इटारसी रोड पर होगा भव्य आयोजन

बैतूल। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव पर चमत्कारी श्री केसरीनंदन हनुमान मंदिर बड़ा नीम इटारसी रोड बैतूल की समिति द्वारा हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाने की तैयारी की जा रही है। कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष दयाराम यादव ने बताया कि शुक्रवार 11 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से अखंड

रामायण पाठ का आयोजन शिव मानस समिति प्रमुख श्री सोलंकी एवं उनकी मंडली द्वारा शुरू किया, जो आज शनिवार 12 अप्रैल की दोपहर तक चलेगा। मंदिर के प्रमुख पुजारी पंडित गोस्वामी जी एवं मंदिर समिति के सदस्यों जिनमें प्रकाश धोटे, राजा वाग्रद्रे, संजु साहू, बवन पवार, कृष्णा वागद्रे, सुनील सोनी, अरुण चढ़ोकार, मंगलमूर्ति बराठे, पटवा एवं टेकाम जी आदि द्वारा हवन-पूजन का कार्यक्रम किया जायेगा। इसके बाद में भजन मण्डली प्रमुख संजू बघेल द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम शाम 3.30 बजे से किया जाए। शाम 5 बजे से महाप्रसादी का वितरण होगा। रात्रि 9 बजे महाआरती होगी। श्री केसरी नंदन जन्मोत्सव समिति बड़ा नीम के सभी सदस्यों ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से जन्मोत्सव कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

आंगनवाड़ी केन्द्र में मनाया पोषण पखवाड़ा

बैतूल। आंगनवाड़ी केन्द्र आईटीआई सदर बैतूल में स्थित सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों द्वारा 8 से 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत शुक्रवार 11 अप्रैल को आंगनवाड़ी केन्द्र में समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन माड्यूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंधन, जिसमें बच्चों के पोषण स्तर की नियमित निगरानी करना, पोषण स्तर के संबंध में परिवार को जागरूक करना, चिन्हित कुपोषित बच्चों की सीएमएएम (समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन) कार्यक्रम में पंजीयन एवं पोषण प्रबंधन करना बताया गया। इसके अलावा 10 दिवसीय शारीरिक माप दिवस का आयोजन कर दिवस के लिए निर्धारित बच्चों का वजन एवं लंबाई, ऊंचाई मान कर पोषण ट्रेकर एप में दर्ज करना, आदि कार्यों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान बताया कि गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार, समय-समय पर स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और स्तनपान की भूमिका बेहद अहम होती है। खासकर नवजात शिशु को जन्म के बाद छह माह तक केवल मां का दूध ही देना चाहिए। यह बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है।

राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो के सेमिनार में निरीक्षक सम्मानित

बैतूल। पुलिस मुख्यालय भोपाल स्थित नवीन सभागार भवन में राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो के तत्वावधान में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जयदीप प्रसाद द्वारा की गई। कार्यक्रम में उप पुलिस महानिरीक्षक हेमंत चौहान, एआईजी श्रीमती ऋचा चौबे एवं संचालक, अंगुल चिन्ह ब्यूरो मनोज राजपूत सहित प्रदेश के सभी जोनल एवं जिला अंगुल चिन्ह विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बैतूल जिले के अंगुल चिन्ह विशेषज्ञ निरीक्षक आबिद अहमद अंसारी को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि निरीक्षक अंसारी ने हाल ही में एनसीआरबी, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित स्मार्ट यूज ऑफ फिंगरप्रिंट साइंस इन इन्वेस्टिगेशन -2024 प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि बैतूल जिले का नाम भी गौरवान्वित किया है। निरीक्षक आबिद अंसारी द्वारा बैतूल जिले के अनेक गंभीर, जघन्य एवं संवेदनशील अपराधों के घटनास्थलों पर वैज्ञानिक विधियों से साक्ष्य संकलन कर अपराधियों की पहचान, गिरफ्तारी एवं न्यायालय में दोष सिद्ध कराने में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है।

उनके द्वारा घटनास्थलों का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर

मंडी में बढ़ी गेहूं की आवक, समर्थन मूल्य में अब तक 9938 मेट्रिक टन ही खरीदा गेहूं

कम दाम मिलने के बाद भी खुले बाजार में उपज बेच रहे किसान

संजय द्विवेदी, बैतूल। कृषि उपज मंडी में इन दिनों गेहूं की आवक बढ़ गई है। रोजाना पांच हजार क्विंटल से अधिक गेहूं मंडी में पहुंच रहा है, लेकिन समर्थन मूल्य में गेहूं की खरीदी को अभी भी रफ्तार नहीं मिल पा रही है। हालात यह है कि 15 मार्च से समर्थन मूल्य में गेहूं खरीदी शुरू हुई है और करीब 27 दिन में 1496 किसानों ने 9938 मेट्रिक टन गेहूं की उपज बेची है। जबकि इसके विपरीत 1 अप्रैल से अब तक कृषि उपज मंडी में करीब 40 हजार क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। कृषि उपज मंडी में गेहूं के दाम 2300 से 2600 रूपये है, वहीं गेहूं के उपार्जन में 175 रुपए बोनस जोडक़र समर्थन मूल्य पर गेहूं 2600 रुपए प्रति क्विंटल खरीदा जा रहा है, फिर भी किसान समर्थन मूल्य में गेहूं बेचने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे है। इसके पीछे बड़ा कारण यह माना जा रहा है कि समर्थन मूल्य में उपज बेचने वाले किसानों को समय पर भुगतान नहीं हो रहा है। भुगतान के चक्कर में किसानों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। किसानों का कहना है कि सरकार एक सप्ताह के भीतर भुगतान करने का दावा करती, किन्तु यहां हालात कुछ और है। किसानों को एक पखवाड़े से लेकर अधिक समय बीत जाने के बावजूद भी राशि नहीं मिल पाती है। यही कारण है कि किसान समर्थन मूल्य में उपज बेचने से किनारा करने लगे हैं। किसानों का मानना है कि समर्थन मूल्य में उपज बेचने के बाद किसानों को कई प्रकार की समस्याओं से जूझना पड़ता है। किसान परेशानियों के कारण समर्थन मूल्य पर उपज नहीं भेज रहे हैं।

किसानों को खाद-बीज, कीटनाशक की जरूरत- किसान किसन, रामप्रसाद मालवीय ने बताया कि अभी किसान मूंग की बोवनी में जुट गए हैं। ऐसे में बोवनी करने वाले किसानों को मूंग बीज खरीदना पड़ रहा है। साथ में खाद की भी जरूरत है। मूंग के अंकुरित होते ही कीटनाशक का छिडक़ाव करना पड़ता है। इसके लिए प्रति स्प्रे 3 हजार का खर्च आ रहा है। इस कारण किसान मंडी में उपज बेच रहे हैं। मंडी में भाव भी समर्थन मूल्य के आसपास है। किसानों को व्यापारियों के द्वारा जरूरत के हिसाब से नकद भुगतान किया जा रहा है।

मंडी और समर्थन मूल्य के दाम बराबर- इन दिनों कृषि उपज मंडी और समर्थन मूल्य के दाम बराबरी में चल रहे है इसीलिए किसान कृषि उपज मंडी में अधिक उपज बेच रहे है। इधर कई खरीदी केन्द्रों पर सन्नाटा पसरा है, जबकि कृषि उपज मंडी में गेहूं की बम्पर आवक हो रही है। मंडी में प्रतिदिन 6 से 7 हजार बोरे उपज बेचने के लिए लाई जा रही है। कृषि उपज मंडी में गेहूं के प्रचलित दाम करीब 2541 और उच्चतम भाव 2675 रूपए प्रति क्विंटल है। यहां किसानों को नगद भुगतान हो जाता है। जिसकी वजह से भी किसान उपज बेचने के लिए मंडी का रूख अधिक कर रहे है।

12,819 किसानों का पंजीयन, 1496 ने बेची उपज - समर्थन मूल्य में गेहूं उपज बेचने की रफ्तार धीमी गति से चल रही है। जिले भर में अब तक महज 1496 किसानों ने उपज बेची है, जबकि समर्थन मूल्य में उपज बेचने के लिए किसान 9 अप्रैल तक पंजीयन करा सकते थे, किन्तु 9 अप्रैल तक जिले के 12,819 किसानों ने ही अपना पंजीयन कराया। बता दे कि जिले में गेहूं की उपज खरीदी के लिए 64 खरीदी केन्द्र बनाएं गए है। जहां किसानों को उपज लाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, लेकिन किसान समर्थन मूल्य में उपज बेचने दिलचस्पी नहीं दिखा रहे है। जानकारों का कहना है कि खरीदी की यहीं रफ्तार रही तो खरीदी का लक्ष्य पूरा होना मुश्किल हो जाएंगा।

आज से तीन दिन बंद रहेगी कृषि उपज मंडी

आज 12 अप्रैल से 14 अप्रैल तक कृषि उपज मंडी में खरीदी बंद रहेगी। कृषि उपज मंडी से प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 अप्रैल को द्वितीय शनिवार बैंक बंद होने के कारण मंडी में न नीलामी नहीं होगी, वहीं 13 अप्रैल को रविवार होने के कारण मंडी बंद रहेगी। इसके अलावा 14 अप्रैल सोमवार को अंबेडकर जयंती का शासकीय अवकाश होने से मंडी बंद रहेगी। कृषि प्रबंधन ने किसानों से अपील की है कि अवकाश दिनों में अपनी उपज लेकर मंडी न लावे। इधर शुक्रवार को कृषि उपज मंडी में गेहूं की 7941 बोरे की आवक रही।

इनका कहना -

गेहूं की उपज बेचने के लिए 12819 किसानों ने पंजीयन कराया है। अभी तक 1496 किसानों से 9938 मेट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई है। अभी किसान मूंग फसल की बुआई कर रहे है। जल्द ही खरीदी केन्द्रों पर किसानों उपज लेकर पहुंचने लगेगे।

- कृष्ण कुमार टेकाम, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी, बैतूल

कृषि उपज मंडी में किसानों को कोई परेशानी न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। आगामी तीन दिन मंडी बंद रहेगी। किसानों से अपील है कि वे अवकाश के दिनों में उपज मंडी ना लावे।

- सूरज उइके, प्रभारी मंडी सचिव, कृषि उपज मंडी बडोरा

पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो: खंडेलवाल

बैतूल। गर्मियों के मौसम में जिले में उत्पन्न होने वाली पेयजल समस्याओं से समय रहते निपटने के उद्देश्य से शुक्रवार को जनपद पंचायत बैतूल कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक अपरान्ह 2 बजे बैतूल विधायक श्री हेमन्त खंडेलवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रीष्म काल में जिले में उत्पन्न होने वाली पेयजल संकट की स्थिति की पूर्व तैयारी एवं समाधान हेतु रूपरेखा तैयार करना था। इस अवसर पर नल-जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण, जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही विभिन्न ग्रामों में जल संकट के संभावित क्षेत्रों की पहचान कर उनके लिए वैकल्पिक पेयजल स्रोतों की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। विशेष रूप से ट्यूबवेल खनन, हैंडपंप स्थापना, ट्यूबवेल मोटरों की उपलब्धता एवं पाइपलाइन विस्तार जैसे मुद्दों पर विस्तृत समीक्षा की गई। उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे समस्या-ग्रस्त ग्रामों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें और पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा न आने दें।

पेयजल आपूर्ति की नियमित निगरानी की जाए

विधायक श्री हेमन्त खंडेलवाल ने बैठक के दौरान कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल आपूर्ति की नियमित निगरानी की जाए तथा आगामी 15 दिवस के उपरांत पुनः समीक्षा बैठक आयोजित कर कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन किया जाए। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं रखते हुए सुझाव दिए, जिन पर अधिकारियों ने त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में जनपद पंचायत बैतूल के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगणों के साथ-साथ जिले के 77 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री राजीव कहार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बैतूल सुश्री मीनाक्षी डाहरे, अनुविभागीय अधिकारी (पीएचई) श्री रवि वर्मा तथा संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पेट्रोल पंप पर सिगरेट पीने से मना करने पर मारा चाकू

पंप संचालक और भतीजा घायल, आरोपी फरार

बैतूल। पेट्रोल पंप पर सिगरेट पीने से मना करने पर युवकों ने पंप संचालक सहित दो लोगों पर चाकू से वार कर दिया। हादसे में पंप संचालक का भतीजा गंभीर घायल हो गया, जिसे देर रात नागपुर रेफर किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार नगर के कालापाठा स्थित रश्मि फ्यूल पाइंट पर गुरुवार रात 9.30 बजे पंप संचालक निशांत

तिवारी (55) और उनके भतीजे हनी उर्फ पूर्वांश (30) को तीन युवकों ने चाकू से घायल कर दिया। युवक पेट्रोल भरवाने आए थे और उनमें से एक युवक पेट्रोल पंप पर ही सिगरेट पीने लगे। इस दौरान संचालक ने सुरक्षा नियमों का हवाला देकर उसे रोका। इस पर युवकों ने पहले विवाद किया और फिर उनमें से एक युवक ने चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में पंप संचालक निशांत और उनके भतीजे हनी को गंभीर चोट आई। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से भतीजे पूर्वांश को हालत गंभीर होने पर उन्हें नागपुर रेफर किया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हमलावर बाइक से आए थे और वारदात के बाद बाइक छोडक़र फरार हो गए। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में गंज थाना प्रभारी अरविंद कुमरे ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से दो हमलावरों की पहचान हो गई है। ये ग्रीन सिटी भग्गूढाना के रहने वाले हैं। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ रही भाजपा: पंकज जोशी

बैतूल विधानसभा सक्रिय सदस्य कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ संपन्न

बैतूल। बैतूल विधानसभा का सक्रिय सदस्यता सम्मेलन जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में आयोजित किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री एवं सांसद दुर्गादास उइके ने भाजपा की चुनावी सफलता एवं संगठनात्मक विस्तार विषय पर विस्तार से संबोधन में अपनी बात रखी और कहा कि जनसंघ से हमारी विचार का प्रारंभ हुआ और 1980 से भारतीय जनता पार्टी के रूप में हमारी पार्टी ने विस्तार का विशाल रूप धारण किया है। भाजपा की सबसे बडी पूंजी हमारी विचारधारा और विचार आधारित कार्यकर्तृता है और कार्यकर्तृता निर्माण में पार्टी के असंख्य व्यक्तियों ने अपना जीवन खपा दिया। डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय,पंडित अटल बिहारी बाजपेयी ने राष्ट्र को प्रथम पूज्य मानते हुये मानव कल्याण को प्राथमिकता में रखते हुये पार्टी को जो विचार दिये और जो आदर्श प्रस्तुत किये है भाजपा आज उसी विचारधारा के अनुरूप कार्य कर रही है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए म.प्र.जनअभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर ने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए भाजपा की स्थापना हुई आज आम जनता को विश्वास होगया है कि भाजपा ही उनके हितों और राष्ट्र को गौरव दिला सकती है जिसके परिणाम आज स्पष्ट दिखाई दे रहे है अब हमारी पार्टी विश्व की सबसे बडी पार्टी के रूप में स्थापित हो चुकी है। देश की सत्ता में तीसरी बार बहुमत के साथ नरेन्द्र मोदी की सरकार है प्रदेशों में लगातार चुनाव जीत रहे है। जनता का विश्वास टूटे न यह हमारी जिम्मेदारी है। भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन विषय पर प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जोशी ने कहा की भाजपा ने अपने भारतीय राजनीति में जो परिवर्तन लाया है उसे खुली आँखों से तो देखा ही जा सकता है बंद आँखो से भी महसूस किया जा सकता है।

भाजपा ने हर वर्ग के कल्याण के साथ मातृशक्ति को सशक्त बनाने, समरस समाज के निर्माण, सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण, भारतीय महापुरूषों का गौरव स्थापित करने, स्वच्छता के लिये सामाजिक क्रांति, दुनिया में भारत का सम्मान बढाने और विश्व पटल पर अपनी हर बात को स्वाभिमान के साथ रखने जैसे कार्य करते है। देश के विकास की दौड़ में तेजी से आगे बढ रहा है तो वहीं हर क्षेत्र के कमजोर वर्ग को विकास की मुख्यधारा में जोडने के लिये सरकार मदद कर रही है। सम्मेलन की शुरुआत वंदे मातरम से हुई इसके बाद भाजपा के जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार ने स्वागत भाषण देते हुए बताया की स्थापना दिवस के कार्यक्रमों के तहत जिले के हर बूथ पर 6 अप्रेल को भाजपा का स्थापना दिवस, प्राथमिक सदस्यो के सम्मेलन के साथ संपन्न हुआ है। इसी कडी मे प्रत्येक विधानसभा में सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन हो रहे हैं इसके बाद कार्यकर्ता गांव चलो, बस्ती चलो अभियान के तहत पार्टी द्वारा बताए गए कार्यक्रमो को संपन्न कराएगें। सम्मेलन को संबोधित करते हुए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की सरकार के लगभग 11 वर्षों में विकसित भारत की ओर यात्रा विषय पर विस्तार पूर्वक बताया कि देश में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनते ही देश विकास की पटरियों पर तेजी से दौड़ रहा है। प्रधानमंत्री सडक़ो का जाल, और लंबी दूरी की सडक़े जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में दिख रही है कांग्रेस के समय इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी, श्री खंडेलवाल ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान, जनकल्याण, कोरोना के समय दुनिया को भारत ने दिखाया कि हमारे पास जो क्षमता है वह दुनिया में नहीं, मोदी जी बिना किसी भेद भाव के हर समाज के लिये कार्य कर रहे है प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री अन्न योजना, स्वास्थ्य के क्षेत्र, शिक्षा के क्षेत्र में, रोजगार, उद्योग, सहित अन्यान्य क्षेत्रों मे जो उल्लेखनीय उपलब्धियों के परिणाम हम देख रहे है वह निश्चित रूप से भारत को विश्व गुरू बनाने की दिशा में ठोस कदम है। कार्यक्रम का संचालन भाजपा महिला मोर्चा की जिला प्रभारी रश्मि साहू ने किया, आभार कार्यालय मंत्री कृष्णा गायकी द्वारा किया गया। उपस्थित मंचासीन अतिथियों का अंगवस्त्र पहना कर सम्मान किया। सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन में विधानसभा एवं मंडल के पदाधिकारी तथा बैतूल विधानसभा क्षेत्र के सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन जन गण मन से हुआ इस दौरान मंच पर पूर्व सांसद सुभाष आहूजा, पूर्व विधायक शिवप्रसाद राठौर, पूर्व जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कपूर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर, जिला महामंत्री कलमेश सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष सुषमा जगताप विशेषरूप से मौजूद रहे।

स्वर्ण रथ पर आज नगर भ्रमण पर निकलेंगे श्री मेंहदीपुर बालाजी

24 कैरेट सोने की परत वाला सोनेरी भोग होगा अर्पित

बैतूल। लगातार 14वें वर्ष में प्रवेश करते हुए श्री मेंहदीपुर बालाजी भक्त मंडल समिति बैतूल द्वारा श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर आज 12 अप्रैल को सायं 5 बजे कोठी बाजार स्थित श्री हनुमान मंदिर न्यू बैतूल स्कूल ग्राउंड के सामने से मेंहदीपुर बालाजी महाराज नगर भ्रमण पर निकलेंगे। श्री घाटा मेंहदीपुर बालाजी महाराज का स्वर्ण आभा वाला महाभारत कालीन रथ बन चुका है। रथ में विशेष नक्काशी तथा रंग रोगन का कार्य किया गया है। समिति द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। बालाजी के रथ को महिला एवं पुरूष अलग-अलग रस्सों से खीचेंगे। यात्रा प्रतिवर्षानुसार श्री हनुमान मंदिर न्यू बैतूल स्कूल ग्राउंड से निकलकर गंज स्थित बड़ी माता मंदिर पर रथयात्रा समाप्त होगी। समिति के निहार दीक्षित ने बताया कि इस वर्ष बापू की कचौरी के युवा संचालक कुशकुंज अरोरा द्वारा श्री मेंहदीपुर बालाजी को विशेष भोग हेतू लगभग 250 ग्राम का शुद्ध देशी घी का ड्रायफ्रूट से तैयार 24 कैरेट सोने के वर्क वाला विशेष सोनेरी भोग लड्डू तैयार किया गया हैं वहीं बैतूल में पहली बार सोने के वर्क वाला सोनेरी भोग लड्डू तैयार किया गया हैं। समिति के दीपक चौरसिया ने बताया कि इस बार रथयात्रा में अयोध्या के श्री राम मंदिर में विराजित रामलला की

श्रृंगार वाली मूर्ति की प्रतिकृति रथयात्रा की शोभा बढ़ायेगी वहीं एक बड़े वाहन पर बाहुबली हनुमानजी अपनी वानर सेना के साथ रहेंगे।

2 क्विंटल बूंदी के प्रसाद का लगेगा भोग- समिति के ईश्वराज बारस्कर ने बताया कि श्री मेंहदीपुर बालाजी हनुमान जी के बाल रूप में विराजित है जिस कारण हनुमान जी महाराज को लड्डू का भोग अतिप्रिय हैं जिस कारण श्री मेंहदीपुर बालाजी दौसा राजस्थान के मंदिर में बूंदी का प्रसाद चढ़ाया जाता है जिस कारण इस वर्ष समिति द्वारा 2 क्विंटल बूंदी का प्रसाद, 5 प्रकार के मीठे लड्डू, हलवा का महाभोग चढ़ाया जायेगा तथा 101 कचौड़ी का भोग भी बालाजी महाराज को अर्पित किया जायेगा जो यात्रा मार्ग पर भक्तों को वितरित किया जायेगा। श्री मेंहदीपुर बालाजी भक्त मंडल समिति के सदस्य मयंक पंडाग्रे द्वारा बताया गया कि समिति द्वारा श्री बालाजी महाराज के रथ में करीब 1 किलो वजनी चांदी के चरणों का पूजन पाठ किया जायेगा वहीं स्वर्णिम आभा वाले रथ में चांदी के छत्र तथा चरण रथ की शोभा बढ़ायेंगे।

होगी महाआरती, मिलेंगे पवित्र जल के छींटे

श्री घाटा मेंहदीपुर बालाजी की महाआरती का आयोजन पांच स्थानों पर समिति द्वारा किया जा रहा है पहली महाआरती श्री हनुमान मंदिर न्यू बैतूल स्कूल ग्राउंड के सामने, दूसरी महाआरती दीक्षित निवास थाना रोड़ पर तीसरी महाआरती लल्ली चौक पर चौथी महाआरती बिजासनी माता मंदिर पर तथा पांचवी महाआरती यात्रा समाप्त होने पर माता मंदिर गंज पेट्रोल पंप पर की जायेगी वहीं श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति गंज द्वारा श्री मेंहदीपुर बालाजी महाराज की विशेष महाआरती गंज स्थित टांगा स्टैंड चौक पर की जायेगी तथा आरती के पश्चात बालाजी महाराज के पवित्र छीटें दिये जायेंगे।

बालाजी को श्रद्धालु लगायेंगे अर्जियां

श्री मेंहदीपुर बालाजी के मंदिर में भक्त अपनी अर्जी एक छोटे से कोरे लाल कपड़े में दस रूपये के सिक्के 11 चावल के दाने के साथ एक कागज पर अपनी मनोकामना लिखकर चढ़ाते है वहीं बैतूल में निकल रही बालाजी के रथ में भक्त अपनी अर्जी लगा सकते है। प्रतिवर्षानुसार समिति द्वारा श्रद्धालुगण द्वारा लगाई गई अर्जियां श्री घाटा मेंहदीपुर बालाजी राजस्थान के दरबार में पहुंचाई जाती है जो भक्त स्वयं भगवान बालाजी महाराज राजस्थान के मंदिर में नहीं जा पाते है वह रथयात्रा में अपनी मनोकामना की अर्जी लगाकार भेंट करते है।

पूर्व डीजीपी भी सुरक्षित नहीं फिर भी सब चंगा सी..? - भूपेंद्र गुप्ता

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व डीजीपी जोशी को धमकाने और मारने का प्रयास करने की घटना मध्यप्रदेश की कानून व्यवस्था की बदहाली का निर्लज्ज सबूत है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता ने कहा कि इस प्रदेश में सैन्य परिवारों से संबंधित महिलायें तक गैंगरेप का शिकार हुईं हैं।राजधानी में एक वरिष्ठ आईएएस की पत्नी से छेड़छाड़ हुई है।गुप्ता ने कहा कि हरदा में पटाखा फेक्टरी के धमाके और अकाल मौतों के सौदागरों की फेक्ट्रिंया कहां गई? गुजरात में जिस पटाखा फेक्टरी में विस्फोट हुआ उसमें भी मध्यप्रदेश के ही मजदूरों की मौत हुई है? यह जांच होनी चाहिये कि कहीं हरदा के मजदूर ही तो गुजरात शिफ्ट नहीं किये गये? प्रदेश की धरती बालात्कार और महिला उत्पीड़न से तरबतर है।धार्मिक परिसर तक पापकर्म से अछूते नहीं हैं। दो इंजन मांगे थे जनता ने तीन दे दिये लेकिन पुलिस पिट रही है मासूमों की मौत और एनकाउंटर में बर्दी बदनाम हो रही है। सरकार 'सब चंगा सी' उत्सव मना रही है।

बेस्ट ऑफ बस्ती अवॉर्ड्स से सम्मानित हुए प्रो. संजय द्विवेदी

भोपाल। वरिष्ठ पत्रकार और मीडिया शिक्षक प्रो.संजय द्विवेदी को उनके गृहनगर बस्ती (उत्तर प्रदेश) में 'बेस्ट आफ बस्ती अवॉर्ड्स' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वक्फ बोर्ड के लिए गठित जेपीसी के अध्यक्ष रहे जगदम्बिका पाल ने प्रदान किया। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, पूर्व विधायक संजय जायसवाल तथा कार्यक्रम के संयोजक भावेश पाण्डेय उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि प्रो. संजय द्विवेदी, भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी), नयी दिल्ली के पूर्व महानिदेशक रह चुके हैं।

पत्नी थाने पहुंची, पति ने लगाई आग

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गौतम नगर इलाके में युवक ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। तत्काल पुलिस स्टाफ ने पानी डाला और कंबल से युवक की आग को बुझा दिया। इलाज के लिए युवक को अस्पताल भेजा गया है। बताया जा रहा है कि युवक ने एफआईआर के डर से खुद को आग लगाई। दरअसल, उसकी पत्नी थाने शिकायत दर्ज कराने पहुंची थी। टीआई महेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि सूरज ग्यासी (30) मूल रूप से टीकमगढ़ का रहने वाला था। वह टीला जमालपुरा में स्थित हरीजन बस्ती में पत्नी के मायके में रह रहा है। दो दिन पहले पत्नी ने आपसी विवाद के बाद पति के खिलाफ टीला जमालपुरा में एफआईआर दर्ज करा दी थी। शुक्रवार की दोपहर को करीब 1 बजे दोनों में विवाद हो गया। पहले से पेट्रोल छिड़ककर पहुंचा था-इसके बाद पत्नी शिकायत करने गौतम नगर थाने पहुंच गई। पीछे से पति पहले से पेट्रोल डालकर थाने के बाहर आया। उसे संदेह था कि एफआईआर दर्ज होगी और उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसी शंका में उसने खुद को आग लगा ली। हालांकि मौके पर पुलिस ने तत्काल पानी और कंबल से आग को बुझाया और उसे अस्पताल पहुंचाया।

निष्काम सेवा ही दुनिया की सबसे बड़ी सेवा है, ... पेज 1 का शेष

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत भूमि-ऋषियों की रही है। समाज जब किसी मुश्किल दौर से गुजरता है तो कोई ऋषि अवश्य अवतरित होता है। आदि शंकराचार्य ने अद्वैत से हम सबका परिचय करवाया। उस कालखंड में ऐसे ऋषि-मुनि आए जिन्होंने अद्वैत का विचार रखकर समाज को जागृत करने का कार्य किया। इसी परम्परा में परमहंस अद्वैत जी महाराज ने भी इस विचार एवं ज्ञान को सरल बनाया और जन सामान्य के बीच पहुंचाने का बीड़ा उठाया। आज भौतिक उन्नति के बीच दुनिया के देशों में युद्ध और संघर्ष सहित कई चिंताएं विद्यमान हैं, जो मानव को मानव से दूर करती हैं। इनका समाधान अद्वैत के विचार में मिलेगा। अद्वैत यानी जहां कोई द्वैत नहीं है। अपने और पराये की मानसिकता का त्याग करते हुए जीव मात्र में एक ही ईश्वर को देखने का विचार इस दर्शन में शामिल है। संपूर्ण सृष्टि को ईश्वर के रूप में देखना ही अद्वैत है। परमहंस दयाल जी महाराज कहते थे कि जो तू है, सो मैं हूं... यह विचार मेरे और तुम्हारे का भेद खत्म कर देता है। अगर कोई यह विचार मान ले तो सारे झगड़े खत्म हो जाएं।

श्री आनंदपुर ट्रस्ट के सेवा प्रकल्प सराहनीय

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि गुरु महाराज ने आनंद धाम के नियम और कर्तव्यों के बारे में आज विस्तार से बताया है। सेवाभाव यहां का प्रमुख कार्य है। ट्रस्ट की ओर से मनोयोगपूर्वक संचालित सेवा कार्यों में अस्पताल, गौ-शाला, नई पीढ़ी के निर्माण के लिए अच्छी शिक्षा देने वाले स्कूल और पर्यावरण संरक्षण के प्रकल्प शामिल हैं। आश्रम के अनुयायियों ने हजारों एकड़ बंजर जमीन को हरा-भरा बनाया है। सेवा की यही भावना हमारी सरकार के केंद्र में है। यह हमें व्यक्तिगत चिंता से हटाकर समाज और राष्ट्र से जोड़ती है।

मध्यप्रदेश अजब और गजब है, विरासत के संरक्षण के साथ विकास के लिए मध्यप्रदेश में सिंहस्थ 2028 की हो रही तैयारियां

राम वन गमन पथ का विकास होकर रहेगा, मध्यप्रदेश में है पथ का बड़ा हिस्सा

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कठिनाइयों से लड़ना और जीतना हम सेवा से सीखते हैं। सेवा एक साधना है। देश में राम वन गमन पथ का विकास किया जा रहा है। राम वन गमन पथ का बड़ा हिस्सा मध्यप्रदेश से गुजरता है। मध्यप्रदेश पहले से अजब और गजब है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा गया है। हमें अपनी संस्कृति को संरक्षित करते हुए आगे बढ़ना है। संस्कृति ही हमें सामर्थ्य देती है। भारत जैसे देश को उम्मीद है कि आनंदपुर धाम इस कार्य में हमारे प्रयासों को ऊर्जा देते हुए आगे बढ़ाएगा। समारोह को संबोधित करते हुए संस्थान के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीश्री 108 हुजूर सतगुरु महाराज ने कहा कि कबीर साहिब कहते हैं कि ईश्वर का नाम ही सत्य है, बाकी सभी सांसारिक चीजें झूठी हैं। उसी प्रकार महापुरुषों का नाम भी सत्य है। दुनिया में जो आए हैं, वो सभी यहां से जाएंगे। अपने सांसारिक जिम्मेदारियों के साथ ईश्वर का स्मरण करना नहीं भूलना चाहिए। प्रारंभ में श्री शब्द परमानंद जी ने स्वागत उदबोधन में कहा कि स्वामी गुरू महाराज जी की छत्रछाया में यह सत्संग हो रहा है। भगवान जिसे अपना सेवक चुन लेते हैं, उसे आनंदपुर धाम जैसा सत्संग प्रदान करते हैं। श्री शब्द परमानंद ने सभी अनुयायियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि इस धाम की स्थापना सेवा धाम के रूप में की गई है। इसमें भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के उपदेश शामिल हैं। समाज कल्याण के लिए जो कार्य करता है, उसका साथ भगवान भी देते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रयागराज में हुए विशाल महाकुंभ आयोजन सम्पन्न हुआ। साथ ही अयोध्या में श्रीराम, मंदिर का शुभारंभ हो गया है। भगवान से जो कुछ नहीं मांगता, उसे भगवान स्वयं मिल जाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत का गौरव बढ़ रहा है।

आनंदधाम से सीखा, गरीबों की सेवा ही ईश्वर सेवा: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गरीबों की सेवा करो, और उनकी आत्मा में रच-बस जाओ, यही परमार्थ है, यही सच्ची मानव सेवा है। गुरुजी महाराज की सेवा भावना से हमें भी प्रेरणा मिलती है।

शांति का जो पाठ उन्होंने समाज को दिया है वह अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु जी महाराज ने इस आनंदधाम को सेवा का केंद्र बनाया है। हमारी सरकार भी ऐसा ही सेवा केंद्र बनाएगी। हम गौमाता की भी सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि आनंदधाम अपने नाम को धन्य और सार्थक कर रहा है। आनंद धाम से हमने सीखा है कि गरीबों की सेवा कर ईश्वर के करीब कैसे आया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रेम और अपनत्व के इस सुख सागर में बार-बार डुबकी लगाने वे यहां जरूर आएंगे।

बेटी ने लव मैरिज की, पिता ने आत्महत्या की

सुसाइड नोट में लिखा- किसी ने मेरा दर्द नहीं समझा, पूरा परिवार नष्ट हो गया

ग्वालियर (नप्र)। वो वकील जो कुछ पैसों के लिए एक परिवार की बलि चढ़ा देता है, उनकी भी तो बेटियां होती हैं। वह खुद नहीं सोचते एक पिता का दर्द। एक पूरा परिवार नष्ट हो गया और समाज में कुछ नहीं बचा।

यह लाइनें उस सुसाइड नोट की हैं, जिसे एक बेटी के पिता ने खुद को गोली मारने से पहले लिखी थीं। पड़ोस में रहने वाले युवक के साथ बेटी के भागकर शादी करने से ग्वालियर का दवा कारोबारी इस कदर आहत हुआ कि उसे अपनी जिंदगी खत्म करने के अलावा कोई रास्ता नहीं सूझा। उसने अपना दर्द सुसाइड नोट में उड़ेकर रख दिया। लिखा- मैं एक बार फिर कहता हूं कि आर्य समाज की शादी मान्य नहीं होती तो कोर्ट फिर कैसे बालिका को उसके (प्रेमी) साथ भेज

सकता है। इससे हमारा पूरा परिवार नष्ट हो गया है। किसी ने मेरा दर्द नहीं समझा। बेबस पिता ने शायद आत्महत्या की स्क्रिप्ट चार दिन पहले ही अपने मन में उस समय लिख ली थी, जब कोर्ट में बेटी ने उसका हाथ छोड़कर हमेशा के लिए प्रेमी का हाथ थाम लिया था। मृतक बेटी को बेटे से ज्यादा चाहता था। उसकी शादी को लेकर कई सपने देखे थे, लेकिन इस घटना के बाद वह टूट गया। तीन दिन से मायूस घूम रहा था। किसी ने यह नहीं सोचा था कि वह खुद को गोली मार लेगा। यह था पूरा मामला?

पड़ोसी से अफेयर, शादी कर चुकी थी बेटी-ग्वालियर में एक मेडिकल स्टोर संचालक ने बुधवार देर रात खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। फायरिंग की आवाज सुनते ही परिजन बेडरूम में पहुंचे, जहां व्यवसायी खून से लथपथ पड़ा था। गोली कनपटी पर लगी थी। एएसपी कृष्ण लालचंदानी ने बताया, ऋषिराज उर्फ संजू जायसवाल की बेटी हर्षिता (20) 15 दिन पहले पड़ोस में रहने वाले आनंद प्रजापति के साथ चली गई थी।

पावन नगरी धरमपुरी में महर्षि दधीचि जी की मूर्ति का अनावरण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया

धार। माँ नर्मदा की कृपा बरसती है पावन नगरी धरमपुरी में। धार जिले की पौराणिक और पावन नगरी धरमपुरी में महर्षि दधीचि जी की मूर्ति का अनावरण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गरिमामयी समारोह में किया । इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, भाजपा नेता विनोद शर्मा, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन कार्यपरिषद के पूर्व सदस्य एवं पर्यावरणविद् सचिन दवे, जिला अध्यक्ष भाजपा धार ग्रामीण चंचल पाटीदार, धरमपुरी विधायक कालुसिंह ठाकुर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा को समाज के कल्याण की कुंजी मानने वाले महात्मा फुले का जीवन शोषितों व वंचितों के उत्थान और महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित रहा। उनके विचार समरस समाज के निर्माण के लिए सदैव सभी को प्रेरित करते रहेंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों को दी हनुमान जयंती की शुभकामनायें

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भगवान श्री हनुमान, शक्ति, भक्ति, साहस, सेवा और समर्पण के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें निष्ठा, अनुशासन और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। प्रभु श्रीराम के प्रति उनकी अटूट भक्ति और निष्काम सेवा प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणा स्रोत है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की है। उन्होंने भगवान हनुमान से सभी के जीवन में नई ऊर्जा, सकारात्मकता और संकल्प की भावना का संचार करने की प्रार्थना की है।

रोटरी क्लब मिड टाउन का दिव्यांग बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम कलरव रविंद्र भवन में संपन्न

भोपाल। सामाजिक सरोकारों के लिए प्रतिबद्ध रोटरी क्लब मिडटाउन भोपाल द्वारा पहली बार दिव्यांग बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम कलरव 11 अप्रैल को रविंद्र भवन नाट्य गृह में आयोजित किया गया। इस मौके पर लगभग डेढ़ सौ से ज्यादा बच्चों ने विभिन्न स्टेज शो प्रस्तुत किए गए जिसमें नृत्य गायन और वादन के प्रतियोगिताएं प्रमुख है।रोटरी क्लब भोपाल मिडटाऊन 1996 से अनवरत सामाजिक कार्यों को करता आ रहा है। क्लब दिव्यांग बच्चों के खेल भी विगत 22 वर्षों से आयोजित कर रहा है। आज 11 अप्रैल को रविन्द्र भवन में दिव्यांग बच्चों की समूह गायन और नृत्य प्रतिभा को नया मंच देने की रोटरी क्लब भोपाल मिडटाऊन ने सराहनीय शुरुआत की है। इस कार्यक्रम में भोपाल, विदिशा, नर्मदापुरम के स्कूलो के 160 बच्चे अपनी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगें। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अवधेश प्रताप सिंह, मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश विधान सभा हैं। यह कार्यक्रम जिसको कि 'कलरव' नाम दिया गया है, इसका आयोजन संयुक्त रूप से रोटरी क्लब ऑफ भोपाल मिडटाउन तथा मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा किया जा रहा है। आयोजन में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को मेडल, सर्टिफिकेट तथा उपहार के अलावा विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भोपाल के समाज जनों ने भाग लिया और प्रस्तुतियों का आनंद उठाया।

हमारी पार्टी के जन्म के समय से ही हम राष्ट्र प्रथम के विचार को लेकर चल रहे हैं : रमेश धाड़ीवाल

भाजपा का विधानसभा स्तरीय सक्रिय सदस्य सम्मेलन हुआ संपन्न

धार। भाजपा प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार 6 अप्रैल भाजपा का 46 वें स्थापना दिवस से 14 अप्रैल भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती तक विभिन्न सेवा कार्य एवं अनेक संगठनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। इसी को लेकर शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में धार विधानसभा स्तरीय भाजपा सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर , मुख्य वक्ता भाजपा वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश धाड़ीवाल कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती, विशेष अतिथि के रूप में विधायक नीना वर्मा मंचासीन रहे ।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा भारत माता व पितृ पुरुष डॉ श्यामा प्रसाद जी मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलित किया गया।मुख्य वक्ता रमेश धाड़ीवाल ने कहा कि हमारी पार्टी के पितृ पुरुषों के समर्पण से आज देश में पंच से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक हमारी पंच निष्ठा विचारधारा के लोग है । आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। हमारी पार्टी के जन्म के समय से ही हम राष्ट्र प्रथम के विचार को लेकर चल रहे है। हमारा पार्टी एक विचार को लेकर काम करने वाली पार्टी है। हमारे कार्यकर्ताओं ने आपातकाल का दंश भी झेला है फिर भी नहीं डिगे है।

प्रधानमंत्री का मंत्र है कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास ही भारत को पुनः विश्व गुरु बनाएगा: सावित्री ठाकुर

सावित्री ठाकुर ने सम्मलेन को संबोधित करते हुए कहा कि सक्रिय सदस्य बनने के बाद हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ी है। ओर इस बड़ी जिम्मेदारी का काम भी हमे सक्रिय रूप से करना है । ये भारतीय जनता पार्टी हे यहां हर कार्यकर्ता बढ़ा होता है हमारी पार्टी में एक छोटा कार्यकर्ता भी विधायक, सांसद ओर प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाता है। केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की डॉ. मोहन यादव की सरकार विश्व में देश ओर प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याण के नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंत्र है कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सब का प्रयास ही भारत को पुनः विश्व गुरु बनाएगा। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत विश्व का नेतृत्व करेगा।

हर वर्ग के लिए हमारी पार्टी काम कर रही है। राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण से लेकर वक्फ संशोधन बिल के माध्यम से हमारी पार्टी ने मुस्लिम वर्ग का भी ध्यान रखा है। आज देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। हमे गर्व करना चाहिए कि हम ऐसी पार्टी के कार्यकर्ता हैं जो देश पहले स्वयं में इस विचार को लेकर अंत्योदय के लिए काम करती है ऐसी राष्ट्रवादी पार्टी के हम कार्यकर्ता हैं । भाजपा जिलाध्यक्ष भारती ने कहा कि भाजपा के सक्रिय सदस्य के लिए गर्व की बात है की वह दुनिया के सबसे बड़े संगठन का सदस्य है। भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से कार्य करती है हमारा संगठन एक परिवार है।आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए बताया की भाजपा नेता जनप्रिनिधि और पदाधिकारी आगामी गांव बस्ती चलो अभियान में प्रत्येक कार्यकर्ता शामिल हो।विधायक नीना वर्मा ने कहा कि सक्रिय सदस्य बनना मतलब आप की जिम्मेदारी बढ़ना है। पार्टी के लिए सक्रिय रूप से अब कार्य करने की बारी हमारी है। जन हितैषी सरकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाए।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि अतिथियों का स्वागत मंडल अध्यक्ष विशाल निगम, जयराज देवड़ा, शुभम पाटीदार, नारायण पटेल जीवन पटेल ने किया । सम्मलेन का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष अमित पाटीदार व आभार दीपक शर्मा ने माना। इस दौरान भाजपा वरिष्ठ नेता जिला पदाधिकारी महिला मोर्चा कार्यकर्ता समेत भाजपा सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे।

युवा पीढ़ी को अवसर देने संस्था 'मन की बातें' द्वारा नि :शुल्क ओपन माइक कार्यक्रम

धार। युवा पीढ़ी को अवसर व प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से

संस्था 'मन की बातें' द्वारा नि :शुल्क ओपन माइक कार्यक्रम, धार में आयोजित किया गया । संस्था के निदेशक प्रतीक अग्रवाल ने बताया कि हमारा प्रयास नई पीढ़ी को मंच प्रदान करना है, ताकि सभी को अपना हूनर और योग्यता दिखाने का अवसर मिलता रहे । इस कार्यक्रम में धार के कलाकारों में अमन भारी, ऋतिक मेवाड़े, पलाश मोदी, खुशी परमार, अनय त्रिपाठी, दर्श महेश्वरी, कीर्तन भाटिया, उत्तम पटेल, संगीता चौहान, दुष्यंत शर्मा, गुरमीत सिंह डांग, कुंदन, अश्मित वर्मा, गौरव व योगी भईया ने प्रस्तुति दी। गीत, संगीत, कविता, शायरी, वाद्य यंत्र व स्टैंड अप कॉमेडी की प्रस्तुति से सभी कलाकारों ने इस शाम में समां बाँध दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रतीक अग्रवाल ने किया उन्होंने बताया कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम अब लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे । कार्यक्रम में सहयोगी रहे हॉलीवुड मोबाइल एंड गेम्स, बगिया फ्लावर्स, बम बम स्वीट्स, प्रफुल फोटोग्राफी, माउस कंप्यूटर, कैफे ब्लिस व आदित्य रघुवंशी ।

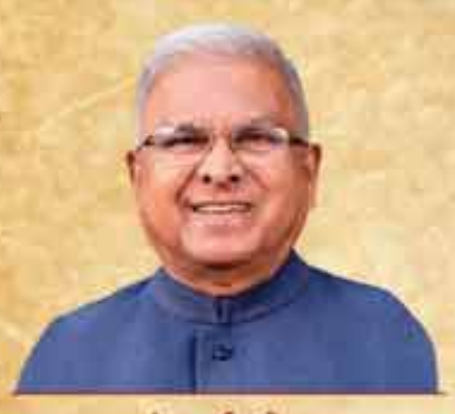

विक्रमोत्सव 2025
सांस्कृतिक अभ्युदय से समृद्धि पथ पर
अग्रसर मध्यप्रदेश
जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
विक्रम संवत् के प्रवर्तक
सम्राट विक्रमादित्य
महानाट्य का महामंचन
12,13,14 अप्रैल 2025
प्रतिदिन सायं 6:00 से 9:00 बजे तक
माधव दास पार्क, लाल किला, दिल्ली
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
श्रीमती रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री, दिल्ली
स्वागताध्यक्ष
शुभारंभ
मुख्य अतिथि
जगदीप धनखड़
उपराष्ट्रपति, भारत
विशिष्ट अतिथि
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश
गरिमामयी उपस्थिति
गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय मंत्री, संस्कृति एवं पर्यटन
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
श्रीमती रेखा गुप्ता
मुख्यमंत्री, दिल्ली
विशेष प्रदर्शनी
• आर्ष भारत • विक्रमादित्यकालीन मुद्रा-मुद्रांक
• मध्यप्रदेश में पर्यटन • मध्यप्रदेश का विकास एवं उपलब्धियां
• मध्यप्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट • फूड कोर्ट
संस्कार भारती
महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ
आप सादर आमंत्रित हैं।
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@JansamparkMP
JansamparkMP
D-11005/25